www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 इटावा कथावाचक विवाद पर राजनीति ठीक... | 3 रोडवेज बस और गिट्टी लदी डंपर में हुई जोरदार... | 4 प्रदेश में पांच हजार किलोमीटर लंबाई में सड़कें...

वर्ष: 9 | अंक: 247 | दिल्ली, मंगलवार, 1 जुलाई 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में सात लाख रुपये के मादक पदार्थ बरामद

जम्मू कश्मीर (एजेन्सी)। एक तरफ जम्मू कश्मीर में आतंकवाद का खतरा बना हुआ है। वहीं दूसरी और नशे की स्मगलिंग की भी एक बड़ी समस्या अब अपनी जड़े मजबूत करती जा रही हूं। आय दिन मादक पदार्थ को पकड़ने की खबरे सामने आ रही हैं। जाता अपडेट जम्मू कश्मीर के उधमपुर जिले से आ रही है। जहां सोमवार को हेरोइन समेत मादक पदार्थ की बरामदगी के साथ चार कथित तस्करों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि जीवन कुमार और सुनील कुमार (दोनों निवासी जगानू गांव) को जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर टिकरी में उनके कब्जे से लगभग छह लाख रुपये मूल्य की 9.40 ग्राम हेरोइन बरामद होने के बाद गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि दोनों मोटरसाइकिल पर जा रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें रोका और उनकी जांच की। प्रवक्ता ने बताया कि दो अन्य तस्करों, चालक संजय कुमार और रोहित कुमार, निवासी काह-फलाटा गांव को गिरफ्तार कर लिया गया, जब रहमबल क्षेत्र में फलाटा जांच चौकी पर उनके वाहन से लगभग एक लाख रुपये मूल्य का 9.60 किलोग्राम चूरा पोस्त बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए सभी चार तस्करों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

भगदड़ रोकने के लिए भीड प्रबंधन प्रोटोकॉल तय किया जाए: सुरजेवाला

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने सोमवार को कहा कि पुरी रथ यात्रा में भगदड़ में जानमाल के नुकसान के लिए जवाबदेही तय की जाए और भीड़ प्रबंधन के वास्ते देशव्यापी मानक प्रोटोकॉल तय करने और राज्यों द्वारा भीड़ सुरक्षा कार्य बल की स्थापना करने जैसे कदम उठाए जाएं। सुरजेवाला ने दावा किया कि इस घटना से ओडिशा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार की कुछ अक्षम्य विफलताएं सामने आती हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, ओडिशा सरकार पर्याप्त पुलिस या सुरक्षा व्यवस्था करने में विफल रही। एम्बुलेंस को एक किलोमीटर दूर खड़ा किया गया था। कोई स्ट्रेचर उपलब्ध नहीं था और घायलों को हाथों में उठाकर ले जाना पड़ा। भगवान जगन्नाथ के रथ से पहले दो ट्रक को आने की अनुमति दी गई थी। परिणामस्वरूप, कई भक्त चपेट में आ गए और गिर गए। सुरजेवाला ने कहा, व्यवस्थाएं गड़बड़ी की कहानी बताती हैं, वीआईपी प्रवेश एक प्रमुख कारक है, सुरक्षा प्रोटोकॉल की कमी और राजनीतिक एवं प्रशासनिक नेतृत्व की विफलता है। सरल सवाल यह है कि क्या हम गलतियों से सीख रहे हैं।

हिमाचल में भारी बारिश का रेड अलर्ट, शिमला में पांच मंजिला इमारत ढही

हिमाचल (एजेन्सी)। रविवार को पूरे भारत में मानसून सक्रिय हो गया, जिसके चलते हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश हो रही है। भारी बारिश के बीच हिमाचल के शिमला के भट्टाकुफर में एक पांच मंजिला इमारत सोमवार सुबह ढह गई। सौभाग्य से, कोई हताहत नहीं हुआ क्योंकि पिछली रात ही घर खाली करा लिया गया था। शिमला ग्रामीण के उपमंडल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) मंजीत शर्मा ने बताया कि सुबह करीब 8:00 बजे श्रीमती रंजना की पांच मंजिला इमारत ढह गई। इमारत को कल रात ही खाली करा लिया गया था। शुक्र है कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। इसके बगल में तीन-चार और इमारतें हैं, जो खतरे में दिख रही हैं। आस-पास के कुल पांच घरों को खाली करा लिया गया है। मंजीत शर्मा ने आगे कहा कि बताया जा रहा है कि हाईवे निर्माण कार्य के कारण यहां की जमीन ढीली हो गई है, खासकर पत्थर की खुदाई के लिए भारी मशीनरी के इस्तेमाल के कारण। हालांकि, यह एक तकनीकी समस्या है और हम विस्तृत जांच के बाद ही सही कारण की पुष्टि कर पाएंगे।

आज का राजनीतिक माहौल भारतीय लोकतंत्र के लिए अनुकूल नहीं: धनखड़

(एजेन्सी)।

जयपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देश के मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य पर चिंता जताते हुए सोमवार को कहा कि राजनीतिक माहौल भारतीय लोकतंत्र और सामाजिक स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं है। जयपुर के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में राजस्थान प्रगतिशील मंच द्वारा आयोजित स्नेह मिलन समारोह में धनखड़ ने कहा कि आज राजनीतिक आदान-प्रदान की तीव्रता और लहजा देश के लोकतांत्रिक और सामाजिक ताने-बाने के लिए हानिकारक है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि वह दबाव में नहीं आते और न ही किसी पर दबाव डालते हैं। उन्होंने कहा, आज की राजनीति का माहौल और तापमान न तो हमारे लोकतंत्र के लिए उपयुक्त है और न ही हमारे प्राचीन सभ्यतागत मूल्यों के अनुरूप है। राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी दुश्मन नहीं होते। सीमा पार दुश्मन हो सकते हैं, लेकिन देश के भीतर कोई दुश्मन नहीं होना चाहिए। उन्होंने विधायी आचरण में अधिक शालीनता का आह्वान किया तथा आगाह किया कि सदन के अंदर जनप्रतिनिधियों के आचरण के चलते जनता में असंतोष पैदा होने से लोकतांत्रिक संस्थाओं में विश्वास खत्म हो सकता है। उन्होंने कहा, लोकतंत्र के मंदिरों में जो कुछ हो रहा है, उसे देखना चिंताजनक है। यदि इन संस्थाओं की गरिमा से समझौता किया गया, तो लोग विकल्प तलाशेंगे। उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि पूर्व सांसद, विधायक सार्वजनिक संवाद की गुणवत्ता सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

धनखड़ ने कहा कि संवैधानिक अधिकारियों की अक्सर आलोचना की जाती है, खासकर तब जब राज्य और केंद्र सरकारें अलग-अलग राजनीतिक दलों से संबंधित हों। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे राज्य में राज्यपाल आसानी से निशाना बन जाते हैं। उन्होंने कहा, अब तो उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति को भी नहीं छोड़ा जा रहा। मेरे विचार में यह उचित नहीं है। धनखड़ ने कहा कि उन्होंने न तो किसी दबाव में काम किया और न ही उन पर कोई दबाव डाला गया। उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी तटस्थ रहते हैं। धनखड़ ने कहा, उन पर दबाव नहीं डाला जा सकता। मैंने उनके साथ काम किया है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि विपक्ष लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, न कि कोई विरोधी। उन्होंने खुले विचार और संवाद की वकालत की।

पशुपालन के बिना खेती लाभ का धंधा नहीं बन सकती: शिवराज सिंह चौहान

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कहा कि पशुपालन अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसके बिना खेती लाभ का धंधा नहीं बन सकती। यहां भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के 11वें दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति में चौहान ने उपाधिधारकों का आह्वान करते हुए कहा, पशुपालन के बिना खेती लाभकारी नहीं हो सकती है, इसलिए यह आज भी महत्वपूर्ण है तथा आगे और भी काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शक्तिशाली, विकसित भारत का महाअभियान चल रहा है, जिसमें पशुपालन का बड़ा योगदान है। चौहान ने विद्यार्थियों के लिए भांजे-भांजियों के संबोधन से अपनी बात शुरू करते हुए कहा कि सौभाग्य से हमारे बीच पधारीं भारत की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू में ज्ञान, भक्ति और कर्म तीनों का संगम दिखाई देता है। उन्होंने राष्ट्रपति के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने उपाधिधारकों को लक्ष्य करते हुए कहा कि यह समारोह केवल डिग्री प्राप्त करने का नहीं है, डिग्री प्राप्त करने के बाद आपके कंधों पर नया उत्तरदायित्व आया है, आपकी ये उपाधि देश की सेवा के लिए है। चौहान ने कहा, अपने लिए कीट पतंगे, पशु-पक्षी भी जीते हैं, लेकिन अपने लिए जिए तो क्या जिए, जिएं तो देश के लिए जिएं। केन्द्रीय मंत्री ने उपाधिधारकों से कहा कि यह उपाधि केवल आपके लिए नहीं है, यह देश के विकास को नया आयाम देने के लिए है।

लोकतंत्र को मजबूत करने और पारदर्शी शासन सुनिश्चित करने में सशक्त विधायिकाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण: विजेंद्र गुप्ता

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने तपोवन, धर्मशाला में आयोजित राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन-सीपीए), भारत क्षेत्र, जोन-2 के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर दिल्ली, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर और पंजाब के विधानसभाओं के पीठासीन अधिकारियों और सदस्यों के साथ संवाद हुआ।

राज्य संसाधनों के प्रबंधन बनाम राज्य के विकास में विधायिकाओं की भूमिका विषय पर बोलते हुए गुप्ता ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने और पारदर्शी शासन सुनिश्चित करने में सशक्त विधायिकाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विधायिका को लोकतंत्र की रीढ़ कहा जाता है, क्योंकि वह प्रत्येक योजना, नीति और कानून को जन भागीदारी से चर्चा और सामूहिक निर्णय के माध्यम से मंजूरी देती है। यह प्रक्रिया सुनिश्चित करती है कि निर्णय संतुलित हों और समाज के सभी वर्गों की आवाज उसमें सम्मिलित हो।

अध्यक्ष ने कहा कि विकास की योजना बनाना एक जटिल कार्य है, जिसमें विधायिका की भूमिका नीतियों के निर्माण, क्रियान्वयन और मूल्यांकन के माध्यम से समावेशी विकास का आधार तैयार करने में निर्णायक होती है। उन्होंने बताया कि वार्षिक बजट सीधे आम जनता को प्रभावित करते हैं-चाहे वह निर्धनों के लिए कल्याणकारी योजनाएँ हों, अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता या स्कूलों में बेहतर सुविधाएँ-विधायिका यह सुनिश्चित करती है कि संसाधनों का आवंटन न्यायसंगत और विवेकपूर्ण तरीके से हो।

गुप्ता ने प्रश्नकाल, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव और विशेष चर्चाओं जैसे संसदीय उपकरणों के महत्व को रेखांकित किया, जो जनप्रतिनिधियों को स्थानीय मुद्दे उठाने, विकास योजनाओं की निगरानी करने और सरकार से उत्तरदायित्व तय करने में सक्षम बनाते हैं। उन्होंने कहा कि यह सीधा जुड़ाव लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करता है। उन्होंने संसदीय समितियों, विशेषकर वित्तीय और विभागीय समितियों की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया, जो यह सुनिश्चित करती हैं कि सरकारी खर्च नियमों के अनुरूप हो तथा किसी प्रकार की अनियमितता की पारदर्शी जांच हो। ये समितियाँ वित्तीय अनुशासन को बनाए रखती हैं और कल्याणकारी योजनाओं का वास्तविक लाभ लक्षित वर्गों तक पहुँचाती हैं। अध्यक्ष ने कहा कि सीमित संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है, और विधायिका यह सुनिश्चित करती है कि किसी भी प्रकार का अपव्यय, भ्रष्टाचार या कुप्रबंधन न हो।

सहकारी राजनीति की आवश्यकता पर बल देते हुए गुप्ता ने सभी जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सदन की कार्यवाही में सक्रिय भागीदारी करें और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि विधायिकाएँ केवल औपचारिक संस्थान नहीं, बल्कि राज्य की आत्मा होती हैं, जो शासन, न्याय और प्रगति की दिशा तय करती हैं।

अपने संबोधन के समापन पर अध्यक्ष गुप्ता ने नीति-निर्माण में दूरदृष्टि, समावेशिता, क्षेत्रीय प्रासंगिकता, पर्यावरणीय स्थिरता और राष्ट्र के विकास लक्ष्यों के अनुरूप दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

दिल्ली देहात के शेर को नमन: स्व. साहिब सिंह वर्मा की पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। स्वाभिमान स्थल, घेवरा मोड़ पर हजारों लोगों की उपस्थिति में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री, भारत सरकार में पूर्व केंद्रीय मंत्री और दिल्ली देहात की बुलंद आवाज स्वर्गीय श्री साहिब सिंह वर्मा को उनकी 18वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। यह आयोजन केवल एक स्मरण सभा नहीं था, बल्कि उनके द्वारा स्थापित मूल्यों-सरलता, त्याग और सेवा-की पुनर्पुष्टि भी थी।

उनकी स्मृति को चिरस्थायी बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार की संस्था ALIMCO (Artificial Limbs Manufacturing Corporation of India) के सहयोग से एक विशाल कल्याणकारी वितरण शिविर आयोजित किया गया। इसमें ADIP योजना और राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत सैकड़ों दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को निशुल्क सहायक उपकरण वितरित किए गए। यह पहल साहिब सिंह वर्मा जी के उस विचार को चरितार्थ करती है कि शासन का पहला धर्म सबसे कमजोर को सशक्त बनाना है।

मुँडका गांव के एक किसान परिवार से निकलकर साहिब सिंह वर्मा जी दिल्ली की राजनीति के शीर्ष तक पहुँचे। लेकिन उन्होंने कभी अपनी जड़ों से दूरी नहीं बनाई। वे दिल्ली देहात की आत्मा को साथ लेकर चले और देहात के शेर के नाम से जन-जन के प्रिय बने। मुख्यमंत्री रहते हुए भी उन्होंने किसानों, मजदूरों, अध्यापकों और छोटे व्यापारियों के सुख-दुख में बराबरी से भागीदारी निभाई।

स्वाभिमान संस्थान द्वारा आयोजित इस प्रार्थना सभा में दिल्ली सरकार के मंत्रियों, सांसदों, विधायकों तथा दिल्ली भाजपा अध्यक्ष श्री वीरेंद्र सचदेवा सहित अनेक वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया और स्व. वर्मा जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने उनके जनकल्याणकारी योगदान और लोकनिष्ठा को भावपूर्ण स्मरण किया।

सभा को संबोधित करते हुए उनके पुत्र एवं दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने कहा: मेरे पिता केवल मेरे अभिभावक नहीं थे, बल्कि मेरे पहले शिक्षक, मार्गदर्शक और जीवन मूल्यों के प्रतीक थे। उन्होंने यह सिखाया कि राजनीति में रहकर भी ईमानदारी, सादगी और संस्कृति से जुड़ा रहना संभव है। उन्होंने केवल विधानसभा या संसद में दिल्ली की बात नहीं की -उन्होंने दिल्ली की आत्मा, विशेषकर ग्रामीण दिल्ली की आवाज को स्वर दिया। आज का यह आयोजन उनके उसी आदर्श-सेवा ही धर्म है-को आगे बढ़ाने की हमारी एक विनम्र कोशिश है।

प्रवेश वर्मा ने आगे कहा-पिताजी के लिए राजनीति सत्ता का माध्यम नहीं, सेवा का साधन थी। जब आज हम इन जरूरतमंदों को सहायक उपकरण दे रहे हैं, तो ऐसा लगता है कि उनकी आत्मा हमारे साथ है और हमें सही राह दिखा रही है। यह आयोजन केवल श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि उनके अधूरे कार्यों को पूरा करने की दिशा में एक संकल्प है।

इस वितरण शिविर में व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, छड़ी, वॉकर आदि जीवन सहायक उपकरण निःशुल्क वितरित किए गए। जिस आत्मीयता और सम्मान के साथ लोग इस आयोजन में उपस्थित हुए, वह दर्शाता है कि साहिब सिंह वर्मा आज भी लोगों के हृदय में जीवित हैं। उनका योगदान केवल एक राजनेता तक सीमित नहीं था। वे एक शिक्षाविद्, समाज सुधारक, और ऐसे नेता थे जिन्होंने ग्रामीण भारत और नगरीय प्रशासन के बीच सेतु का कार्य किया। वे मानते थे कि राजनीति सत्ता की दौड़ नहीं, परिवर्तन का माध्यम होनी चाहिए।

उनके जाने के वर्षों बाद भी साहिब सिंह वर्मा जी हर उस गली, हर उस विद्यालय, हर उस किसान, और हर उस नवयुवक के दिल में जीवित हैं जिसे उन्होंने कभी छुआ था-अपने कार्यों, अपनी सोच और अपनी सादगी से।

जैसे ही पुष्पांजलि अर्पित की गई और सहायक उपकरणों का वितरण हुआ, एक बात बिल्कुल स्पष्ट थी-दिल्ली देहात ने अपना नेता नहीं खोया है। उसके विचार आज भी जीवित हैं, उसका रास्ता आज भी रोशन है, और प्रवेश साहिब सिंह जी उसी आत्मा और संकल्प के साथ उस ज्योति को आगे बढ़ा रहे हैं।

पंजाब सरकार ने फायर सेफ्टी एन.ओ.सी. से जुड़ी शर्तों को उद्योग हितैषी बनाया: सौंद

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने राज्य में अग्निशमन सेवाओं को आधुनिक बनाने और उद्योगों के लिए कारोबार करने की प्रक्रिया को और सरल व बेहतर बनाने के लिए अहम कदम उठाए हैं। उद्योगों और आम नागरिकों के लिए पंजाब फायर एंड इमरजेंसी सर्विस एक्ट, 2024 लागू किया गया है। औद्योगिक इमारतों की अनुमत ऊँचाई अब 18 मीटर से बढ़ाकर 21 मीटर कर दी गई है।

पंजाब भवन में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए उद्योग मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने बताया कि 27 जून को निदेशालय, पंजाब फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज (स्थानीय निकाय विभाग) द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, विभिन्न उद्योगों के जोखिम वर्गीकरण के आधार पर कई उद्योगों के फायर सेफ्टी एन.ओ.सी. की वैधता अवधि 1 वर्ष से बढ़ाकर 3 से 5 वर्ष कर दी गई है। उन्होंने बताया कि उद्योगों को 3 श्रेणियों में बांटा गया है, और केवल वे उद्योग जो उच्च जोखिम या अत्यधिक खतरनाक स्तर के हैं, उन्हें ही वार्षिक एन.ओ.सी. की आवश्यकता होगी। कम जोखिम वाले उद्योगों के लिए एन.ओ.सी. की वैधता 5 वर्ष तथा मध्यम जोखिम वाले उद्योगों के लिए 3 वर्ष होगी। उन्होंने कहा कि सरकार के इस निर्णय से लालफीताशाही पर अंकुश लगेगा और उद्यमी अपना कारोबार और अधिक आसानी से चला सकेंगे।

उल्लेखनीय है कि कम जोखिम वाले उद्योगों की सूची में 43 उद्योग, मध्यम जोखिम वाले उद्योगों की सूची में 63 उद्योग, और उच्च जोखिम वाले उद्योगों की सूची में 39 उद्योग शामिल किए गए हैं। उन्होंने बताया कि योग्य आर्किटेक्ट द्वारा तैयार की गई अग्निशमन ड्राइंग/योजना को विभाग द्वारा स्वीकार किया जाएगा। किसी अन्य सलाहकार या एजेंसी से अग्निशमन ड्राइंग/योजना की जांच कराने की आवश्यकता नहीं होगी।

उद्योग मंत्री ने कहा कि फायर एन.ओ.सी. प्राप्त करने के लिए आवेदन करते समय मालिक/अधिकृत व्यक्ति द्वारा 53 बिंदुओं की एक विस्तृत चेकलिस्ट प्रस्तुत करने की प्रक्रिया को भी समाप्त कर दिया गया है। सौंद ने कहा कि अधिसूचना के अनुसार अब इमारत के मालिक को ऑनलाइन वार्षिक स्व-प्रमाणीकरण प्रस्तुत करने की अनुमति होगी। उन्होंने कहा कि सरकार के इन फैसलों से उद्योगों को राहत मिलेगी और वे अपना अधिक ध्यान व्यापारिक विकास की ओर केंद्रित कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि इससे उद्योगों को अनावश्यक अनुमतियाँ लेने से भी छुटकारा मिलेगा।

पंजाब विधानसभा के स्पीकर ने धर्मशाला में सीपीए इंडिया रीजन जोन-2 की वार्षिक कॉन्फ्रेंस में भाग लिया

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हिमाचल प्रदेश विधानसभा, धर्मशाला के तपोवन में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन (सीपीए) इंडिया रीजन जोन-2 की कॉन्फ्रेंस के पहले दिन पंजाब विधानसभा के स्पीकर स कुलतार सिंह संधवां ने संबोधित करते हुए कहा कि राज्य के संसाधनों के सफल और प्रभावशाली प्रबंधन के लिए विधानक कमेटीयों की सक्रिय भागीदारी बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ये कमेटीयां नैतिकता और पारदर्शिता के आधार पर राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। यह कॉन्फ्रेंस लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के नेतृत्व में प्रारंभ हुई।

इस अवसर पर स्पीकर संधवां ने श्री गुरु तेग बहादर जी की निःस्वार्थ शहादत को याद करते हुए कहा कि उन्होंने मानवता की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर किए। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब की बेमिसाल कुर्बानी ने सदियों पहले पंजाब में धर्मनिरपेक्षता और भाईचारे की मजबूत नींव रखी थी।

स संधवां ने भारत के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधियों से अपील की कि नवंबर माह में श्री गुरु तेग बहादर जी के 350वें शहादत दिवस को पूरे देश में सामूहिक रूप से मनाने के लिए सभी राज्यों की संसदों और विधानसभाओं की ओर से मिलकर प्रयास किए जाएं।

उन्होंने कहा कि यह प्रयास मानवता के संदेश को पूरी दुनिया में फैलाने में सहायक सिद्ध होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील पहल से मिला जरूरतमंद को संबल

एसबी संवाददाता

जयपुर। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुरूप मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा महिला, युवा, मजदूर और किसान के कल्याण और उत्थान के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। इसी प्रतिबद्धता पर आगे बढ़ते हुए शर्मा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़े (24 जून से 9 जुलाई) की पहल की है जिसके माध्यम से गांव-ढाणी में अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के लंबित कार्यों के निष्पादन के साथ ही उनके लिए लोककल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। इस पखवाड़े के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों से आपणो अग्रणी राजस्थान के संकल्प की सिद्धि का मार्ग तेजी से प्रशस्त हो रहा है।

शर्मा ने जयपुर जिले की दूदू तहसील स्थित बिचून ग्राम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय संबल पखवाड़े का शुभारंभ किया। इस पखवाड़े का नामकरण महान विचारक पं. दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर किया गया जिन्होंने अपना पूरा जीवन समाज के वंचित वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित किया। प्रदेश के हर गांव और हर व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाना इस पखवाड़े का मूलमंत्र है। यह पखवाड़ा विकास के उजियारे को हर जरूरतमंद तक पहुंचाने में मील का पत्थर साबित हो रहा है और अब तक (29 जून) के आंकड़े इसकी सफलता की कहानी को दर्शाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की प्रमुख समस्या राजस्व से संबंधित रहती हैं। इन समस्याओं के निष्पादन से किसान, मजदूर और जरूरतमंद व्यक्ति को व्यापक स्तर पर राहत पहुंचायी जा सकती है। इसके दृष्टिगत पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित शिविरों में राजस्व संबंधी प्रमुख प्रकरणों के निष्पादन का कार्य तत्परता से किया जा रहा है। अब तक की प्रगति के अनुसार पखवाड़े में सीमाज्ञान के 18 हजार 15, नामांतरण के 43 हजार 120, सहमति विभाजन के 8 हजार 531 और रास्तों के 9 हजार 96 प्रकरणों को निस्तारण करते हुए बड़ी संख्या में ग्रामीणों को लाभ पहुंचाया गया है।

सम्पादकीय

अमेरिका-ईरान-इजरायल विवाद

कई दिनों तक दुनिया यह अनुमान लगाती रही कि क्या अमेरिका इजरायल-ईरान हवाई युद्ध में शामिल होगा या नहीं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आखिरकार 22 जून को नाटकीय तरीके से ईरान को दी अपनी धमकियों पर अमल किया। ट्रम्प लगातार 'मैं यह कर सकता हूं, मैं ऐसा नहीं कर सकता' जैसी भ्रम फैलाने वाली बातें कर अनिश्चितता का माहौल बना रहे थे लेकिन उस दिन अमेरिकी वायु सेना और नौसेना ने बंकर बस्टर बम तथा टॉमहॉक मिसाइलों का उपयोग कर ईरान के फोर्डो, नतांज व इस्फहान परमाणु सुविधा केंद्रों पर हमला कर दिया। इजरायल-ईरान युद्ध में पहले से ही दोनों देशों में कई मौतें हो चुकी हैं और बुनियादी ढांचे को बहुत नुकसान पहुंच चुका है। इसके तुरंत बाद ट्रम्प ने यह घोषणा करके शांति दूत के वस्त्र धारण कर लिए कि ईरान और इजरायल दोनों 12-दिवसीय संघर्ष के विराम के लिए सहमत होंगे जिसमें अमेरिका को शामिल होने के लिए मजबूर किया गया था। फिलहाल संघर्ष विराम जारी है। हालांकि एक समय था जब अमेरिका मध्य पूर्व में ईरान के हमलों की जांच करने में असहाय था। इसकी शुरूआत 14 फरवरी 1979 को तेहरान दूतावास की घेराबंदी से हुई थी जब उनके 52 कर्मचारियों को एक वर्ष से अधिक समय तक बंधक बनाकर रखा गया था। उस अवधि के दौरान कोई भी बड़ी शक्ति, यहां तक कि इजरायल भी वाशिंगटन डीसी और अयातुल्ला रूहोल्लाह खुमैनी शासन के बीच मध्यस्थता करने में मदद करने को तैयार नहीं था। अवर्गीकृत सोवियत दस्तावेजों से पता चला कि तब अफगानिस्तान के घटनाक्रम से चिंतित सोवियत नेतृत्व को यह भी डर था कि अमेरिका शाह राजशाही के पतन को रोकने के लिए सैन्य हस्तक्षेप करेगा। यद्यपि मास्को को विश्वास था कि खुमैनी शासन अमेरिकी प्रभाव को समाप्त कर देगा।

कविता

ओ जीवन को जीने वालों
जीवन क्या है पहचानों
जीवन की परिभाषा पढ़कर
एक-एक अक्षर जानो
जीवन एक हवा का झौंका
लाता खुशियां कभी अपार
कभी है तूफा ऐसा लाता
उड़ जाता सुख का संसार
दर्द है जीवन का जीवन
सहचरी बना है हर इक बार
दर्द और जीवन हों जैसे
पतझड़ पंक्षी और बयार
आंसू है धोते पीड़ा को
निर्मल करते बारम्बार
जीवन की सहचरी का करते
हों जैसे कोई उपचार
यही है गाथा हर जीवन की
नहीं समापन होना है
इस दुनिया में हर प्राणी को
हंसना है फिर रोना है
जीते जाओ इस दुनियां में
सुख-दु:ख को साथी मानो
ओ जीवन को जीने वालों
जीवन क्या है? पहचानो

गीता राठौर
पूरनपुर पीलीभीत उत्तर प्रदेश

जयंती

बिधान चंद्र राय

जन्म: 1 जुलाई, 1882-मृत्यु: 1 जुलाई, 1962) को बहुमुखी प्रतिभा के धनी एक वरिष्ठ चिकित्सक, विद्वान शिक्षाविद, निर्भीक स्वतंत्रता सेनानी, कुशल राजनीतिज्ञ और प्रसिद्ध समाज सेवक के साथ साथ आधुनिक भारत के राष्ट्र निमार्ता के रूप में भी बड़ी श्रद्धा व सम्मान के साथ स्मरण किया जाता है। विशेषकर बंगाल के प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में उनके द्वारा किए गये उल्लेखनीय कार्यों के संदर्भ में उन्हें 'बंगाल का मसीहा' भी कहा जाता है।

पुण्यतिथि

पुरुषोत्तम दास टंडन

जन्म-1 अगस्त, 1882, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश; मृत्यु-1 जुलाई, 1962) आधुनिक भारत के प्रमुख स्वाधीनता सेनानियों में से एक थे। वे 'राजर्षि' के नाम से भी विख्यात थे। उन्होंने अपना जीवन एक वकील के रूप में प्रारम्भ किया था। हिन्दी को आगे बढ़ाने और इसे राष्ट्रभाषा का स्थान दिलाने के लिए पुरुषोत्तम दास जी ने काफी प्रयास किये थे। वे हिन्दी को देश की आजादी के पहले आजादी प्राप्त करने का साधन मानते रहे और आजादी मिल जाने के बाद आजादी को बनाये रखने का। वर्ष 1950 में वे 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष नियुक्त हुए थे। पुरुषोत्तम दास टंडन को भारत के राजनीतिक और सामाजिक जीवन में नयी चेतना, नयी लहर, नयी क्रान्ति पैदा करने वाला कर्मयोगी कहा गया है। वर्ष 1961 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से भी सम्मानित किया गया था।

कल मिलेंगे

पति-क्या तुम जानती हो दुनिया में सबसे ज्यादा शरीफ कौन है?
पत्नी-दुनिया में सिर्फ वही लोग शरीफ हैं...
जिनके मोबाइल में पासवर्ड नहीं है.

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

इटावा कथावाचक विवाद पर राजनीति ठीक नहीं

-बृजनन्दन राजू

> हिन्दुत्व का अभिमान रखते हैं। राम व कृष्ण के प्रति उनके मन में भी अगाध श्रद्धा है। पिछड़े व अनुसूचित समाज में बड़ी संख्या में संत महापुरुष पैदा हुए हैं जिन्होंने सामाजिक एकता के लिए अपना संपूर्ण जीवन लगाया। बाबा साहब भीमराव आम्बेडकर ने अगस्त 1927 में अंबा देवी मंदिर अमरावती में प्रवेश सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि हिन्दुत्व जितनी स्पृश्यों की संपत्ति है, उतनी ही अस्पृयों की भी

उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में कथाकार की जाति पूछकर किए गए अमानवीय कृत्य से पूरा देश शर्मसार है। जहां पर 'जाति न पूछिए साधु की पूछ लीजिए ज्ञान' की बात कही जाती हो उस देश में इस प्रकार की घटना हिन्दू समाज के माथे पर कलंक है। विचार के आधार पर यदि आचरण नहीं है तो हमारी तत्व निष्ठा व्यर्थ है। अगर सभी संतानें ईश्वर की हैं तो ऊंच नीचता की भावना नहीं होनी चाहिए।

21 जून को इटावा जिले में बकेवर थाना क्षेत्र के दादरपुर गांव मे कथा कहने गये कथावाचक मुकुट मणि यादव, सहायक आचार्य संत सिंह यादव व ढ़ोलक वादक श्यामवीर सिंह कठेरिया की बर्बरता पूर्वक पिटाई करने के बाद जबरन शिखा काटी गयी व सिर मुंडवाया गया। शिखा काटने के बाद मुख्य यजमान की पत्नी के पैरों पर नाक रगड़कर माफी मंगवाई गयी। ढ़ोलक वादक श्यामवीर सिंह कठेरिया दोनों आंखों से सूर है उसको भी मारा पीटा गया, ढ़ोलक छीन ली गयी और गंजा किया गया उस बेचारे का क्या कसूर था। कहा गया कि पंडितों के गांव में कथा कहने की हिम्मत कैसे की। निर्लज्जता की हद तो तब हो गयी जब एक महिला का मूत्र कथाकार मण्डली में शामिल लोगों के ऊपर छिड़का गया। इस घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर किया गया। सोचकर देखों उस समय उन लोगों के दिल पर क्या बीती होगी जो कई सालों से गांव-गांव जाकर लोगों को कथा सुनाकर धर्म का प्रचार कर रहा हो। उसके साथ इस प्रकार की अभद्रता कि मानवता भी सरमा जाय। इस प्रकार का अमानवीय कृत्य तो मुगल आक्रान्ता ही करते थे। शिखा,जनेऊ व तिलक से उन्हें ही चिढ़ होती थी। कथावाचक की शिखा औरंगजेब की ही औलादें काट सकती हैं। हिन्दू धर्म में शिखा रखने का बहुत ही महत्व है। हमारे पूर्वजों ने शिखा तिलक व जनेऊ की रक्षा के लिए अनेकों बलिदान दिए हैं।

इस घटना से यादव व अनुसूचित समाज आक्रोशित है। समाज की भलाई चाहने वाले व्यथित हैं वहीं राजनीतिज्ञ लोगों की भावनाएं उभारकर आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। क्योंकि उन्हें बैठे-बैठे समाज को बांटने का मुद्दा मिल गया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पीड़ितों के घाव पर मरहम लगाने का काम किया। घटना के दूसरे दिन उन्हें सपा कार्यालय बुलाकर कथाकार की पूरी मण्डली को सम्मानित किया और 21-21 हजार रुपए भेंट किया। 50-50 हजार रुपए और देने की घोषणा की। इस बीच कुछ लोग दोषियों को बचाने की फिराक में जुट गए। महिला से कथावाचक पर छेड़खानी का आरोप लगवाकर भुक्तभोगी के खिलाफ ही मुकदमा दर्ज करा दिया गया है। यह आरोप किसी के गले नहीं उतर रहा है। अगर उसने छेड़खानी की तो मुंडन करने, मारपीट करने और पेशाब छिड़कने का अधिकार किसने दे दिया। अगर छेड़खान की होती तो उसे बैठाकर उसकी जाति बिरादरी की पड़ताल नहीं की जाती। निश्चित ही यह आरोपियों को बचाने का तरीका है।

इस घटना को यादव बनाम पंडित का रूप दिया जा रहा है जो सरासर गलत है। एक समस्या के पटाक्षेप के लिए दूसरी मनगढ़ंत कहानी गढ़ना कहां तक उचित है। इससे दलित व ब्राहमणों के बीच खाई गहरी हो रही है। हिन्दू समाज में फूट डालने व जातीय संघर्ष को बढ़ावा देने वाला है। इस प्रकार के कृत्य करने वाले पण्डित हो ही नहीं सकते। सोशल मीडिया पर इस कृत्य की निन्दा हो रही है। वहीं कुछ लोग लाठियां लहराते हुए अपना आक्रोश प्रकट कर रहे हैं। प्रदर्शन भी हो रहे हैं। यह एक व्यक्ति या एक जाति का अपमान नहीं बल्कि सनातन का अपमान है। सनातन की सांस्कृतिक एकता पर आघात किया गया है।

वैसे भी अनुसूचित समाज ने कथा व भागवत का आयोजन करना लगभग बंद ही कर दिया है। ओबीसी समाज से जुड़ी मौर्य व पाल समेत कई जातियां में भी इस प्रकार के आयोजन बहुत कम हो गए हैं। यह सब जातियां बुद्ध की अनुगामी बन रही है। ऐसे ही होता रहा तो समाज का एक बड़ा वर्ग हमसे अलग हो जायेगा। हमारे पूर्वजों ने कठोर साधना व तपस्या कर समरस समाज रचना का निर्माण किया। कैसे हमें रहना है समाज में कैसे आचरण करना है यह परिवार में हमें सीखने को मिलता है। भीष्म पितामह धर्मराज युधिष्ठिर से कहते हैं कि सबको एक सूत्र में पिरोने वाला धर्म ही है। जो सबको आपस में जोड़ता है वही धर्म है।

सर्वपंथ समादर का भाव हिन्दू चिंतन की विशेषता है। पूजा पद्धति के आधार पर भी भेदभाव नहीं करना चाहिए। धर्म का संरक्षण करने वाले मौन क्यों? ऐसा तो है नहीं कि ब्राह्मण क्षत्रिय व वैश्यों का भगवान पर अधिक अधिकार है और यादव, मौर्या, पाल व चमार पासी का अधिकार कम है।

हिन्दुत्व का अभिमान रखते हैं। राम व कृष्ण के प्रति उनके मन में भी अगाध श्रद्धा है। पिछड़े व अनुसूचित समाज में बड़ी संख्या में संत महापुरुष पैदा हुए हैं जिन्होंने सामाजिक एकता के लिए अपना संपूर्ण जीवन लगाया। बाबा साहब भीमराव आम्बेडकर ने अगस्त 1927 में अंबा देवी मंदिर अमरावती में प्रवेश सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि हिन्दुत्व जितनी स्पृश्यों की संपत्ति है, उतनी ही अस्पृयों की भी। हिन्दुत्व की प्राण प्रतिष्ठा वशिष्ठ जैसे ब्राहामणों ने, कृष्ण जैसे क्षत्रियों ने हर्ष जैसे वैश्यों ने तथा तुकाराम जैसे शूद्रों ने की है।

काशी विद्वत परिषद ने कहा है जो शास्त्रों को जानते है, भक्ति भाव, सत्यनिष्ठ, ज्ञानवान और जानकार है उन्हें कथा कहने का अधिकार है। इसमें जाति भेद नही है, क्योंकि जो ज्ञानी है वही, पंडित या ब्राह्मण कहलाने का अधिकारी है। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बिहारीलाल शर्मा ने कहा कि कथावाचक कौन होगा, इसके लिए शास्त्रों में जाति के आधार पर भेद नही है। योग्यता है तो कोई भी कर सकता है।

इटावा की घटना के साथ हिन्दू समाज का मान सम्मान और स्वाभिमान जुड़ा है। इस कृत्य से सम्पूर्ण हिन्दू समाज कलंकित हुआ है। जो समाज देश व धर्म की रक्षा के लिए मुगलों से संघर्ष किया। अस्पृश्यता का दंश झेलते हुए कंगाली व भुखमरी में रहकर अपमान व तिरस्कार सहा। अपना सब कुछ दांव पर लगा कर जुल्म सहना स्वीकार किया लेकिन धर्म नहीं छोड़ा। विषमता व अस्पृश्यता आज भी विद्यमान है। वह समाज आज भी अपमानित हो रहा है। योग्यता प्राप्त युवाओं को भी अवसर नहीं मिल रहे हैं। उनके साथ भेदभाव हो रहा है। हमारे पूर्वजों से कुछ गलतियां हुई थी जिनका परिणाम आज हम भुगत रहे हैं अगर इस समय इस प्रकार की गलती करेंगे तो आने वाली हमारी पीढ़ियां भुगतेंगी।

इस प्रकार का कृत्य घोर निन्दनीय है। कुछ लोग इस प्रकार के कृत्य करने वालों की आलोचना करने के बजाय उनका बचाव कर रहे हैं। इस प्रकार की घटना में राजनीति करना सामाजिक एकता के लिए बाधक है। इस घटना की आड़ में यादव ब्राह्मण के बीच विवाद खड़ाकर समाज में जातीय विद्वेस पैदा करने का प्रयास हो रहा है। हिन्दू समाज में व्याप्त ऊंच नीच की भावना राष्ट्र के लिए नितान्त घातक है। हिन्दू एकता कमजोर हुई तो राष्ट्र कमजोर हो जायेगा। इसलिए समता व समरसता युक्त आचरण ही सभी समस्याओं का समाधान है।

हिन्दुभूमि की हम संतानें बंधु भाव नित अपनायें।
सभी भेद रख दूर स्वयं को केवल हिन्दू कहलायें।।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भारत की आर्थिक प्रगति में अब तो ईश्वर भी सहयोग कर रहा है

-प्रहलाद सबनानी

> भारत सरकार के पेट्रोलीयम मंत्री श्री हरदीपसिंह जी पुरी ने जानकारी प्रदान की है कि अंडमान एवं निकोबार के समुद्री क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस का बहुत बड़ा भंडार मिला है। एक अनुमान के अनुसार यह भंडार 12 अरब बैरल (2 लाख करोड़ लीटर) का हो सकता है जो हाल ही में गुयाना में मिले कच्चे तेल के भंडार जितना ही बड़ा है। गुयाना में 11.6 अरब बैरल कच्चे तेल एवं गैस के भंडार पाए गए है

कुछ दिनों पूर्व भारत में दो विशेष घटनाएं हुईं, परंतु देश के मीडिया में उनका पर्याप्त वर्णन होता हुआ दिखाई नहीं दिया है। प्रथम, भारत के अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के क्षेत्र में कच्चे तेल के अपार भंडार होने का पता लगा है, कहा जा रहा है कि कच्चे तेल का यह भंडार इतनी भारी मात्रा में है कि भारत, कच्चे तेल सम्बंधी, न केवल अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर पाएगा बल्कि कच्चे तेल का निर्यात करने की स्थिति में भी आ जाएगा। यदि भारत को कच्चे तेल की उपलब्धि पर्याप्त मात्रा में हो जाती है तो इसका प्रसंस्करण कर, डीजल एवं पेट्रोल के रूप में, पूरी दुनिया की खपत को पूरा करने की क्षमता को भी भारत विकसित कर सकता है। भारत में विश्व की सबसे बड़ी रिफाइनरी गुजरात के जामनगर में पूर्व में ही स्थापित है। अतः कच्चे तेल के साथ साथ डीजल एवं पेट्रोल का भी भारत सबसे बड़ा निर्यातक देश बन सकता है। जैसा कि दावा किया जा रहा है, यदि यह दावा सच्चाई के धरातल पर खरा उतरता है तो आगे आने वाले समय में भारत का विश्व में पुनः सोने की चिड़िया बनना लगभग तय है। भारत आज पूरे विश्व में कच्चे तेल का चीन एवं अमेरिका के बाद सबसे बड़ा आयातक देश है और विदेशी व्यापार के अंतर्गत भी कच्चे तेल के आयात पर ही सबसे अधिक विदेशी मुद्रा खर्च हो रही है। कच्चे तेल का उत्पादन यदि भारत में ही होने लगता है तो न केवल इसके आयात पर होने वाले भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा के खर्च को बचाया जा सकेगा बल्कि पेट्रोल एवं डीजल के निर्यात से विदेशी मुद्रा का भारी मात्रा में अर्जन भी किया जा सकेगा। जिसके कारण, भारत में विदेशी मुद्रा के भंडार में अतुलनीय बचत एवं संचय होता हुआ दिखाई देगा और इस प्रकार भारत विश्व में विदेशी मुद्रा का सबसे बड़ा संचयक देश बन सकता है।

वर्तमान में भारत कच्चे तेल की अपनी कुल आवश्यकता का 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा लगभग 42 देशों से प्रतिवर्ष आयात करता है। भारत कच्चे तेल की अपनी कुल खरीद का 46 प्रतिशत हिस्सा पश्चिम एशिया के देशों से आयात करता है। वर्तमान में भारत द्वारा कच्चे तेल एवं गैस के आयात पर 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि खर्च प्रतिवर्ष किया जा रहा है।

भारत सरकार के पेट्रोलीयम मंत्री श्री हरदीपसिंह जी पुरी ने जानकारी प्रदान की है कि अंडमान एवं निकोबार के समुद्री क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस का बहुत बड़ा भंडार मिला है। एक अनुमान के अनुसार यह भंडार 12 अरब बैरल (2 लाख करोड़ लीटर) का हो सकता है जो हाल ही में गुयाना में मिले कच्चे तेल के भंडार जितना ही बड़ा है। गुयाना में 11.6 अरब बैरल कच्चे तेल एवं गैस के भंडार पाए गए है। इस भंडार के बाद गुयाना कच्चे तेल के उत्पादन के मामले में विश्व में शीर्ष स्थान पर पहुंच सकता है जबकि अभी गुयाना का विश्व में 17वां स्थान है।

वर्ष 1947 में प्राप्त हुई राजनैतिक स्वतंत्रता के बाद के लगभग 70 वर्षों तक भारत की समुद्री सीमा की क्षमता का उपयोग करने का गम्भीर प्रयास किया ही नहीं गया था। हाल ही में भारत सरकार द्वारा इस संदर्भ में किए गए प्रयास सफल होते हुए दिखाई दे रहे हैं। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के समुद्री क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस के भारी मात्रा में जो भंडार मिले हैं उनका अन्वेषण का कार्य समाप्त हो चुका है एवं अब ड्रिलिंग का कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है। ड्रिलिंग का कार्य समाप्त होने के बाद कच्चे तेल एवं गैस के भंडारण का सही आंकलन पूर्ण कर लिया जाएगा। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में आधारभूत संरचना का विकास भी बहुत तेज गति से किया जा रहा है। इंडोनेशिया के सुमात्रा क्षेत्र के समुद्रीय इलाकों से भी भारी मात्रा में कच्चा तेल निकाला जा रहा है तथा भारत का अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह भी इंडोनेशिया से कुछ ही दूरी पर स्थित है। इसके कारण यह आंकलन किया जा रहा है कि अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के समुद्रीय क्षेत्र में भी कच्चे तेल एवं गैस के अपार भंडार मौजूद हो सकते है। हर्ष का विषय यह भी है कि इस क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस के साथ साथ अन्य दुर्लभ भौतिक खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल/मेटल) के भारी मात्रा में मिलने की सम्भावना भी व्यक्त की जा रही है। भारी मात्रा में मिलने जा रहे कच्चे तेल के चलते भारत अपनी परिष्करण क्षमता को बढ़ाने पर विचार कर रहा है। चूंकि चीन ने कुछ दुर्लभ भौतिक खनिज पदार्थों का भारत को निर्यात करना बंद कर दिया है अतः भारत के अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में इन पदार्थों का मिलना भारत के लिए बहुत बड़ी खुशखबर है।

पूर्व में भी भारत में कच्चे तेल एवं गैस के भंडार का पता चला था, जैसे बॉम्बे हाई, काकीनाड़ा, बलिया एवं समस्तिपुर, आदि। इन समस्त स्थानों पर कच्चे तेल को निकालने के संबंच में आवश्यक कार्य प्रारम्भ हो चुका है। दरअसल, इस कार्य में पूंजीगत खर्च बहुत अधिक मात्रा में होता है। जापान, रूस एवं अमेरिका से तकनीकी सहायता प्राप्त करने के लिए इन देशों की बड़ी कम्पनियों के साथ करार करने के प्रयास भी भारत सरकार द्वारा किए जा रहे हैं। भारत का समुद्रीय क्षेत्र 5 लाख किलोमीटर का है। इसी प्रकार, पश्चिम बंगाल के समुद्रीय इलाके में भी खोज जारी है एवं इस क्षेत्र में भी कच्चे तेल एवं गैस के भंडार मिलने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। अंडमान एवं निकोबार क्षेत्र में कच्चे तेल का उत्पादन प्रारम्भ होने के पश्चात आगामी लगभग 70 वर्षों तक भारत को कच्चे तेल के आयात की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। द्वितीय शुभ समाचार यह प्राप्त हुआ है कि भारत के कर्नाटक राज्य में कोलार क्षेत्र में स्थित अपनी सोने की खदानों में भारत एक बार पुनः खनन की प्रक्रिया को प्रारम्भ करने के सम्बंध में विचार कर रहा है। कोलार गोल्ड फील्ड को वर्ष 2001 में खनन की दृष्टि से बंद कर दिया गया था। परंतु, अब 25 वर्ष पश्चात स्वर्ण की इन खदानों में खनन की प्रक्रिया को पुनः प्रारम्भ किए जाने के प्रयास किए जा रहे है। इस संदर्भ में कर्नाटक सरकार ने भी अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है। आज पूरे विश्व में सोने की कीमतें आसमान छूते हुए दिखाई दे रही है और विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक अपने सोने के भंडार में वृद्धि करते हुए दिखाई दे रहे हैं क्योंकि अमेरिकी डॉलर पर इन देशों का विश्वास कुछ कम होता जा रहा है। बहुत सम्भव है कि आगे आने वाले समय में अमेरिकी डॉलर के बाद एक बार पुनः स्वर्ण मुद्राएं ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले व्यापार के भुगतान का माध्यम बनें। ऐसे समय में भारत के कोलार क्षेत्र में स्थित स्वर्ण की खदानों में एक बार पुनः खनन की प्रक्रिया को प्रारम्भ करना एक अति महत्वपूर्ण निर्णय कहा जा सकता है। कोलार स्थित स्वर्ण की इन खदानों में 750 किलोग्राम स्वर्ण की प्राप्ति की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। प्राचीन काल में कोलार गोल्ड फील्ड को गोल्डन सिटी आफ इंडिया कहा जाता था।

प्राचीन काल में में भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था। एक अनुमान के अनुसार, भारतीय महिलाओं के पास 25,000 से 26,000 टन स्वर्ण का भंडार है। यह भी कहा जा रहा है कि भारत की महिलाओं के पास स्वर्ण का जितना भंडार है लगभग उतना ही भंडार पूरे विश्व में अन्य देशों के पास है। अर्थात, पूरे विश्व में उपलब्ध स्वर्ण का आधा भाग भारतीय महिलाओं के पास आज भी उपलब्ध है। ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत में स्थापित अपनी सत्ता के खंडकाल के दौरान लगभग 900 टन स्वर्ण, कोलार की खदानों से निकालकर, ब्रिटेन लेकर जाया गया था। भारत की केंद्रीय बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक, के पास आज 880 टन स्वर्ण के भंडार हैं, जो कि भारत के 69,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार का 12 प्रतिशत हिस्सा है। हाल ही के समय में विदेशी निवेशकों का भारत पर विश्वास बढ़ा है अतः भारत का स्वर्णिम काल पुनः प्रारम्भ हो रहा है। विश्व के विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों के पास आज 36,000 टन स्वर्ण का भंडार हैं, जबकि इनमे से कई देशों के केंद्रीय बैंक अभी भी स्वर्ण की खरीदी करते जा रहे हैं। स्वर्ण भंडार की दृष्टि से भारत का आज विश्व में 8वां स्थान है। चीन एवं रूस स्वर्ण के सबसे बड़े उत्पादक देश हैं फिर भी ये दोनों देश स्वर्ण का आयात भी जारी रखे हुए हैं। लगातार, पिछले 3 वर्षों से विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक लगभग 1,000 टन स्वर्ण की खरीद प्रतिवर्ष कर रहे हैं। स्वर्ण की खरीदी का यह कार्य रुकने वाला नहीं है आगे भी ऐसे ही चलता रहेगा। अतः भारत सरकार द्वारा भी कोलार गोल्ड फील्ड में स्वर्ण के खनन का कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है। स्वर्ण के भंडार बढ़ने के साथ भारत, रुपए का अंतरराष्ट्रीयकरण कर सकता है। साथ ही, स्वर्ण के भंडार बढ़ने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए की कीमत भी बढ़ती जाएगी।

कुल मिलाकर, अब यह कहा जा सकता है कि ईश्वरीय कृपा से एवं उक्त कारणों के चलते भारत को विश्व में एक बार पुनः सोने की चिड़िया बनाया जा सकता है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

भारत की वो खतरनाक मिसाइल, जिसकी दस्तक ने उड़ा दी चीन-पाक की नींद

(एजेन्सी)।
चीन और पाकिस्तान से निपटने के लिए भारत भी लगातार अपनी तैयारियां कर रहा है। भारत की तरफ से के-6 हाइपरसोनिक मिसाइल का परमाणु सबमरीन से परीक्षण की तैयारी हो रही है। भारत के के-6 हाइपरसोनिक मिसाइल के समुद्री परीक्षण के लिए तैयारी तेज कर दी गई है। के-6 मिसाइलों को डीआरडीओ ने बनाया है। इसे भारत की एस-5 परमाणु पणडुब्बी पर तैनात करने की योजना है। ये एक इंटरकॉन्टिनेंटल बैलेस्टिक मिसाइल है। इसकी गति और रेंज ब्रह्मोस से कहीं तेज होगी। भारत पिछले कई सालों से अपने मिसाइल प्रोजक्ट पर बहुत तेजी से काम कर रहा है। जहां तक इंटरकांटिनेंटल बैलेस्टिक मिसाइल की बात है तो उसमें कई श्रेणी की मिसाइलें भारत के पास मौजूद हैं। लेकिन के-6 ब्रह्मोस से भी ज्यादा गति और रेंज वाली होगी। लेकिन अब उसके सी-ट्रायल की तैयारी तेज हो गई है। यानी इसे अलग अलग मापदंडों पर तौला जाएगा। इसकी हाइपरसोनिक गति, मैक 7.5, लगभग 9,261 किमी/घंटा तक पहुँचने में सक्षम है। यह अधिकांश ज्ञात मिसाइल रक्षा प्रणालियों को चकमा दे सकता है। इसे मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल रीएंट्री व्हीकल्स ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे एक ही मिसाइल कई लक्ष्यों पर सटीकता से हमला कर सकती है। MIRV की यह क्षमता K-6 को क्षेत्र निषेध और रणनीतिक निरोध के लिए एक शक्तिशाली उपकरण बनाती है। 8,000 किलोमीटर तक की परिचालन सीमा के साथ, K-6 उच्च-मूल्य वाले रणनीतिक और आर्थिक केंद्रों सहित विशाल क्षेत्रों को अपनी पहुँच में रखता है।

सैन्य विशेषज्ञ इसे एक बल गुणक के रूप में देखते हैं, विशेष रूप से बढ़ते क्षेत्रीय तनाव और हिंद महासागर क्षेत्र में बढ़ती चीनी नौसेना की मुखरता को देखते हुए। परमाणु पेलोड के अलावा, मिसाइल कथित तौर पर पारंपरिक वारहेड ले जाने में सक्षम है, जो युद्ध परिदृश्यों के एक स्पेक्ट्रम में परिचालन लचीलापन प्रदान करती है।

काजोल अब देशभक्ति थ्रिलर में नजर आएंगी

(एजेन्सी)।
मां के बाद काजोल अब देशभक्ति थ्रिलर में नजर आएंगी। फिल्म का नाम सरजमीन है और यह पिछले काफी समय से चर्चा में है। सरजमीन में काजोल के साथ पृथ्वीराज सुकुमारन हैं और यह सारा अली खान के भाई इब्राहिम की दूसरी फिल्म होगी। नादानियां में एक प्रेमी लड़के की भूमिका निभाने के बाद, इब्राहिम अब धर्मा प्रोडक्शंस की सरजमीन में एक आतंकवादी की भूमिका निभाते नजर आएंगे। सोमवार को, निमार्ताओं ने एक घोषणा वीडियो साझा किया, जिसमें ओटीटी फिल्म की आधिकारिक शुरूआत की गई।

पृथ्वीराज सुकुमारन, काजोल और इब्राहिम अली खान ने कश्मीर में एक मनोरंजक ड्रामा का वादा किया है सरजमीन का टीजर आखिरकार रिलीज हो गया है, जिससे प्रशंसकों को एक रोमांचक सफर का सामना करना पड़ेगा। पृथ्वीराज सुकुमारन, काजोल और इब्राहिम अली खान अभिनीत यह फिल्म 25 जुलाई से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रीमियर के लिए तैयार है। कायोज ईरानी द्वारा निर्देशित यह दमदार ड्रामा जम्मू और कश्मीर की अस्थिर पृष्ठभूमि पर आधारित है, जो देशभक्ति, बलिदान और मानवीय संघर्ष की कहानी पेश करती है। सरजमीन को कश्मीर में आतंकवाद से लड़ने के लिए एक सेना अधिकारी के अथक मिशन के बारे में एक दमदार ड्रामा के रूप में वर्णित किया गया है। इब्राहिम एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। काजोल और पृथ्वीराज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं, जिन्हें गुप्त रखा गया है। अपने डेब्यू से पहले, इब्राहिम ने रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में करण जौहर की सहायता करके अपने कौशल को निखारा।

फिल्म का निर्देशन बोमन ईरानी के बेटे कायोज ईरानी ने किया है, जिन्होंने इससे पहले अजीब दास्तां का निर्देशन किया था। सरजमीन का निर्माण हीरू यश जौहर, करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता और

स्टार स्टूडियोज ने किया है। कहानी और पटकथा सौमिल शुक्ला और अरुण सिंह ने लिखी है। यह फिल्म 25 जुलाई को जियो हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

मई में औद्योगिक उत्पादन 1.2% बढ़ा, जो पिछले वर्ष इसी महीने में 6.3% था

(एजेन्सी)।
सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी अनंतिम आंकड़ों से पता चला है कि मई में भारत का औद्योगिक उत्पादन 1.2% बढ़ा है। अप्रैल में औद्योगिक उत्पादन में सालाना आधार पर 2.7% की वृद्धि हुई, जो छह महीने का न्यूनतम स्तर है और मार्च में हुई 3% वृद्धि से कम है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस वर्ष भारत की औद्योगिक वृद्धि धीमी रही है, तथा उपभोक्ता मांग ने आर्थिक परिदृश्य को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है। वार्षिक आधार पर, वित्त वर्ष 2025 में आईआईपी की वृद्धि 4% रही, जो वित्त वर्ष 2024 में 5.9% की गति से कम थी।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के जरिये मापे जाने वाले औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर बीते वर्ष के मई माह में 6.3 प्रतिशत रही थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने अप्रैल के लिए औद्योगिक उत्पादन वृद्धि को भी संशोधित कर 2.6 प्रतिशत कर दिया, जबकि पिछले महीने इसके 2.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था। एनएसओ के आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन वृद्धि इस साल मई में घटकर 2.6 प्रतिशत रही, जो एक साल पहले इसी महीने में 5.1 प्रतिशत थी। वहीं खनन उत्पादन में 0.1 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले इसमें 6.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। बिजली उत्पादन में 5.8 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में इसमें 13.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-मई अवधि के दौरान औद्योगिक उत्पादन में सालाना आधार पर 1.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

सुरुचि सिंह और सौरभ ने निशानेबाजी राष्ट्रीय चयन ट्रायल में किया बेहतरीन प्रदर्शन

(एजेन्सी)। सोमवार को देहरादून में आयोजित निशानेबाजी राष्ट्रीय चयन ट्रायल के टी4 10 मीटर पिस्टल महिला वर्ग में सुरुचि इंदर सिंह ने शानदार सत्र को जारी रखते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं ओलंपियन सौरभ चौधरी पुरुष वर्ग में पहले स्थान पर रहे। सुरुचि और सौरभ दोनों ने त्रिशूल निशानेबाजी परिसर में ग्रुप ए में क्रमशः 588 और 587 के उच्च स्कोर के साथ अपने-अपने क्वालीफिकेशन दौर में शीर्ष स्थान हासिल किया। सुरुचि ने फाइनल में शुरू से ही दबदबा कायम करते हुए 244.3 का स्कोर बनाया। यह दूसरे स्थान पर रही अंजलि शेखावत से 3.1 अधिक था। अनुभवी रही सरनोबत ने 221.6 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रही। ओलंपियन मनु भाकर और ईशा सिंह क्रमशः 202.5 और 179.6 के स्कोर के साथ चौथे और पांचवें स्थान पर रहीं। सुरुचि ने जीत दर्ज करने के बाद कहा, मेरी निशानेबाजी के तरीके में कोई बड़ा राज नहीं है।

रोडवेज बस और गिट्टी लदी डंपर में हुई जोरदार भिड़ंत, 11 घायल एक की मौत

संजना भारती संवाददाता
मनोज कुमार बिन्द

बारा। बारा थाना क्षेत्र के सेहुड़ा के पास रोडवेज बस और गिट्टी लदा डंफर में भिड़ंत हो गया जिसमें दर्जनों यात्री घायल हो गए है। प्रयागराज से चित्रकूट जा रही रोडवेज बस की गिट्टी लदा डंफर बारा सेहूड़ा में भिड़ंत हों गई।

प्रत्यक्षदर्शनों ने बताया कि दर्जन से अधिक यात्री घायल बताए जा रहे है। जिसमें पुरुष सहित महिला शामिल हैं। ग्रामीणों ने कहा बस ट्रक की आपस में भिड़ंत हुई तो बारा पुलिस को तत्काल ग्रामीणों के द्वारा एंबुलेंस को सूचना दिया गया लेकिन समय से एम्बुलेंस नहीं पहुंची। स्थानीय पुलिस ने घायलों को प्राइवेट वाहन टैक्सी बोलेरो आदि से तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसरा तथा शंकरगढ़ भेज दिया जिसमें जसरा के चिकित्सक ने रूबी पाल पत्नी राजेश पाल ग्राम भावापुर प्रयागराज से उप स्वास्थ्य केंद्र कर्वी की डाक्टर है, रेशमा पत्नी वाल्मीकि ग्राम बबेरू बांदा की रहने वाली थी और साइना पत्नी लाल ग्राम कर्वी व संदीप पांडे पुत्र रामबाबू (बस ड्राइवर) ग्राम अठरहा सराय अकिल कौशांबी के बताए जा रहे है जिन्हें स्वास्थ्य अधीक्षक ने यात्राओं की हालत गंभीर बताते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। शंकरगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में राहुल वर्मा पुत्र अवध नारायण निवासी लिधौरा बरेठी थाना रैपुरा चित्रकूट, सुनील कुमार निषाद पुत्र संतलाल निषाद निवासी जगनिया थाना मांडा (कंडक्टर बस) सूरज कुमार पुत्र विद्याकांत निवासी दुबावल थाना सराय अकिल, सत्य प्रकाश पुत्र हरी प्रसाद निवासी रामनगर थाना रैयपुरा जनपद चित्रकूट अवध नारायण पुत्र शिअवर निवासी लिधौरा बरेही थाना रायपुर को हल्की छूट आई थी जिन्हें उपचार के बाद छोड़ दिया गया है।

वहीं तीन यात्रियों को प्राइवेट अस्पताल में उपचार हो रहा है और बाबूलाल पुत्र ओमप्रकाश निवासी रीवा की मौत हो गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार रोडवेज बस 42 सीट की थी जिसमें लगभग 20 से 25 लोग सवार थे। जिसमें लगभग एक दर्जन लोग घायल हुए है।

वहीं ग्रामीणों के अनुसार बस की रफ्तार तेज होने के कारण शंकरगढ़ की ओर से गौहनिया की ओर जा रही डंपर से भिड़ंत हो गई।

थाना प्रभारी बारा राजेश कुमार ने बताया कि ग्रामीणों के द्वारा सुबह एक्सीडेंट होने की सूचना मिली थी मौके पर जांच पड़ताल किया गया। रोडवेज बस में लगभग 20 से 25 लोग सवार थे वहीं 11 लोग घायल हुए हैं वही एक यात्री की मौत हुई है।

वित्त मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री के साथ मीटिंग के पश्चात रेजिडेंट डॉक्टरों द्वारा हड़ताल समाप्त

पंजाब सरकार ने रेजिडेंट डॉक्टरों की मांगे की स्वीकार

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। पंजाब के वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह और 'फोरम ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स ऑफ पंजाब' के प्रतिनिधियों के बीच आज लगभग दो घंटे तक चली बैठक सफलतापूर्वक समाप्त हुई।

इस बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त आलोक शेखर, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कुमार राहुल, व्यय सचिव वी. एन. जादे और चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान निदेशक डॉ. अवनीश कुमार भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान रेजिडेंट डॉक्टरों द्वारा उठाई गई मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार किया गया।

इस विस्तृत बैठक के दौरान दोनों मंत्रियों ने पंजाब के रेजिडेंट डॉक्टरों के फोरम द्वारा रखी गई मांगों को स्वीकार करते हुए अपनी सहमति दी। इस सकारात्मक परिणाम के बाद फोरम के प्रतिनिधियों ने अपनी प्रस्तावित हड़ताल समाप्त करने की घोषणा की, जिससे राज्य भर में स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू रूप से जारी रहेंगी।

इस अवसर पर मंत्रियों ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने हमेशा स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े पेशेवरों और जनता, दोनों के हित को प्राथमिकता दी है और सरकार एवं चिकित्सा समुदाय के बीच सहयोगपूर्ण वातावरण को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए हैं।

'फोरम ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स ऑफ पंजाब' के प्रतिनिधिमंडल में डॉ. रमनदीप सिंह (प्रधान, आर.डी.ए. पटियाला), डॉ. अक्षय सेठ (मुख्य संरक्षक, आर.डी.ए. पटियाला), डॉ. गुरभगत सिंह (महासचिव), डॉ. मिलान (सलाहकार), डॉ. मेहताब सिंह बल (प्रेस सचिव) और कार्यकारी सदस्य डॉ. गुरजीत सिंह एवं डॉ. दरशदीप सिंह शामिल थे।

ड्रग्स के खिलाफ अभियान में पंजाब पुलिस को बड़ी कामयाबी, अमृतसर में 60 किलो हेरोइन बरामद, 9 आरोपी गिरफ्तार

पाकिस्तान और कनाडा से संचालित किया जा रहा था ड्रग सिंडिकेटः डीजीपी गौरव यादव

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़/अमृतसर। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत चलाई जा रही 'युद्ध नशों विरुद्ध' मुहिम के तहत नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और राजस्थान पुलिस के सहयोग से पाकिस्तान आधारित तस्कर तनवीर शाह और कनाडा आधारित हैंडलर जोबन क्लेर द्वारा संचालित एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़ करते हुए राजस्थान के बाड़मेर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास से 60.302 किलो हेरोइन की बड़ी खेप बरामद की है। यह जानकारी आज यहां पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी। इस कार्रवाई के दौरान पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और जम्मू-कश्मीर से तस्करों और हवाला ऑपरेटरों समेत कम से कम नौ व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान अमृतसर के गांव रामपुरा के गगनदीप सिंह उर्फ गगन (23), गांव खुरमनियां के जशनप्रीत सिंह उर्फ जशन (20), गांव बोपाराय बाज के गुरसाहिब सिंह (25), जम्मू-कश्मीर के गांव कल्याणा के राजीव पंजगोत्रा उर्फ राजवीर (29), फतेहपुर ब्राह्मणा, जम्मू-कश्मीर के सोमनाथ (62), सिम्बल कैंप, जम्मू-कश्मीर के पुरुषोत्तम सिंह उर्फ काला (50), अमृतसर के गांव मूलेचक के कुलविंदर सिंह (24), जम्मू-कश्मीर के गांव टांडा की रजिंदर कौर (42) के रूप में हुई है। इसके अलावा एक हवाला ऑपरेटर को भी गिरफ्तार किया गया है।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह ड्रग कार्टेल पाकिस्तान आधारित तस्कर तनवीर शाह और कनाडा आधारित तस्कर जोबन क्लेर द्वारा स्थानीय किंगपिन गुरसाहिब सिंह की मदद से संचालित किया जा रहा था, जो पहले से ही गोइंदवाल साहिब जेल में बंद है और जेल के अंदर से मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर इस नेटवर्क को लगातार चला रहा था। उन्होंने बताया कि जेल अधिकारियों की मदद से उसका फोन बरामद कर लिया गया है और कनाडा-पाकिस्तान से जुड़े नेटवर्क की गहराई से जांच के लिए उसका प्रोडक्शन वारंट हासिल किया गया है। डीजीपी ने बताया कि इस मामले में आगे-पीछे के सभी संबंधों की जांच की जा रही है। विस्तृत जानकारी देते हुए पुलिस कमिश्नर (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि यह ऑपरेशन पिछले महीने गुरसाहिब सिंह को छेहर्टा से 1 किलो हेरोइन समेत गिरफ्तार करने के तुरंत बाद शुरू किया गया था। उन्होंने बताया कि जेल में होने के बावजूद आरोपी गुरसाहिब अपने भतीजे जशनप्रीत सिंह और साथी गगनदीप सिंह, जिन्हें 102 ग्राम हेरोइन समेत गिरफ्तार किया गया था, के जरिए यह नेटवर्क चला रहा था। उन्होंने बताया कि इन दोनों आरोपियों से पूछताछ के दौरान बाड़मेर में 60 किलो हेरोइन की बड़ी खेप का पता चला।

उन्होंने बताया कि जांच के दौरान हवाला ऑपरेटर की गिरफ्तारी से ड्रग मनी के लेन-देन के हवाला नेटवर्क का भी भंडाफोड़ हुआ है। यह कार्रवाई डीसीपी (डी) सिटी रविंदरपाल सिंह, एडीसीपी (डी) जगबिंदर सिंह, एडीसीपी-2 हरपाल सिंह, एसीपी (डी) यादविंदर सिंह, एसीपी वेस्ट शिवदर्शन सिंह, एसएचओ छेहर्टा विनोद शर्मा, सीआईए-1 इंचार्ज अमोलकदीप सिंह और सीआईए-2 इंचार्ज रवि कुमार के नेतृत्व में की गई।

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि जांच में यह भी सामने आया है कि भारत-पाकिस्तान सीमा पार से नशे की तस्करी कर स्थानीय डिस्ट्रीब्यूशन चैनलों के जरिए राजस्थान के रास्ते पंजाब भेजे जा रहे थे। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान के तनवीर शाह से जुड़े पांच अन्य आरोपियों की भी पहचान कर ली गई है और उन्हें पकड़ने के लिए छापेमारी जारी है।

इस संबंध में अमृतसर के थाना छेहर्टा में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21-बी, 21-सी, 27-बी और 29 के तहत एफआईआर नंबर 118, दिनांक 17/06/2025 दर्ज की गई है।

जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन राजस्थान (जार) टोंक कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया

पत्रकार विषम परिस्थियों में भी देश के उत्थान एवं विकास के लिए कर रहे काम-गोपाल शर्मा

संजना भारती संवाददाता

टोंक। जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) इकाई टोंक का नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण एवं स्नेह मिलन समारोह सोमवार को अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक सिविल लाईन जयपुर विधायक गोपाल शर्मा, अध्यक्षता निवाई-पीपलू विधायक रामसहाय वर्मा सहित विशिष्ठ अतिथि के तौर पर जिला प्रमुख सरोज बंसल, भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रवीर सिंह चौहान, प्रदेशाध्यक्ष जार संजय सैनी, मुख्य वक्ता एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य राकेश शर्मा, प्रदेश महासचिव सुरेश पारीक, भंवर सिंह कुशवाहा, अशोक श्रीमाली एवं जसवंत आदि रहे।

टोंक जार के जिला संरक्षक एस.एन. चावला ने बताया कि इस मौके पर पत्रकारिता के क्षेत्र से बरसों से जुड़े आ रहे गोपाल सैनी विधायक मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि पत्रकारिता आज के समय किसी चुनौती से कम नही है, हमारे पत्रकार विषम परिस्थियों में भी भारत देश के उत्थान एवं विकास के लिए न केवल जन कल्याणकारी योजनाओं से लोगों को अवगत करवाते है, बल्कि उन्हे उनका अधिकार भी दिलाने का काम करते है। उन्होने टोंक के पिछड़ेपन पर चिन्ता जताते हुये उम्मीद जताई कि आगे पत्रकार एवं जनप्रतिनिधि संयुक्त रूप से मिलकर काम करो तो निश्चित रूप से टोंक के विकास को गति मिल सकती है। उन्होने जिला स्तर पर भी सभी पत्रकारों को रियायती दरों पर भूखण्ड दिये जाने की वकालत करते हुये इस हेतु हर सम्भव प्रयास करने का वादा किया। निवाई विधायक रामसहाय वर्मा ने जिले के पत्रकारों की सराहना करते हुये कहा कि यहा के पत्रकार सदैव स्वच्छ पत्रकारिता में भरोसा करते है। उन्होने कहा कि हालाकि अब पत्रकारिता का क्षेत्र चुनोतियों से भरा हुआ है, लेकिन चुनौती के बीच काम करने वाले ही असली मायने में पत्रकार है। उन्होने इस मोके पर अपनी और से टोंक जार कोष कें लिए 21 हजार रू. देने की घोषणा की। जार के प्रदेश अध्यक्ष संजय सैनी एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य राकेश शर्मा ने पत्रकारों के हित में जार का मकसद व गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

जिला प्रमुख सरोज बंसल ने कहा कि विश्व के पहले पत्रकार नारद मुनि थे, जिनके दिखाये हुये रास्ते पर चलकर आज मिडिया शोषित व पीड़ित को न्याय दिलाने के साथ ही समाचारों को एक-दूसरों तक पहुचा रही है। इससे पूर्व जार के जिला संरक्षक एस.एन. चावला, संयोजक पुरूषोत्तम जोशी व जिलाध्यक्ष ब्रिजेश परिड़वाल द्वारा अतिथियों एंव प्रदेश भर से आये पत्रकारों का स्वागत करते हुये आभार जताया गया। समारोह के दौरान विधायक गोपाल शर्मा द्वारा नवीन कार्यकारिणी को शपथ ग्रहण करवाई गई।

इस मौके पर रामपाल राकेट, रामबाबू विजयवर्गीय, महासचिव रविन्द्र जोहरी, राकेश जैन, अशोक शर्मा, निर्भय राम मीना, मनोज टांक, प्रियदर्शन वैष्णव, नासिर खान, याकूब अली, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र गुप्ता, कमल मीना, विनोद सांखला, मधुसूदन गोतम, राजाराम गौतम, लोकेश लक्षकार, कमलेश सैनी, सुभाष सौदा, प्रवक्ता अनिल विजय, मोईन आफरीदी, फिरोज उस्मानी, राहुल राजवंशी, गौरव विजय, दीपक विजय, अरशद शाहीन/एस ,रहमान,अब्दुल्ला खान, संदीप गुप्ता, त्रिलोक चन्द जैन, प्रहलाद शर्मा, गणेश योगी, देवीशंकर सोनी, राकेश पालीवाल, गजेन्द्र शर्मा, उमेश सोनी, नन्दकिशोर सैनी, विजय लखानी,आरती साहू, रामअवतार धाभाई, श्याम सुन्दर साहू, महावीर बैरवा, रामजीलाल विजय, रवि विजय, ओमप्रकाश शर्मा सहित भाजपा जिला महामंत्री प्रभु बाड़ोलिया, कमलेश सिंगोदिया, अकबर खान, उमर भाई, सुनिल बंसल, रमेश काला समेत काफी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे।

आगामी मुहर्रम पर्व को लेकर खानपुर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित

संजना भारती संवाददाता
अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर। खानपुर परिसर में सोमवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार चंद्रा, अंचलाधिकारी मनीष कुमार एवं थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में आगामी मुहर्रम पर्व के मद्देनजर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुहर्रम कमेटी के अध्यक्ष और सदस्य के साथ-साथ मुहर्रम लाइसेंस धारी को भी बुलाया गया।

वही प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार चंद्रा ने बैठक में उपस्थित लोगों को बारी-बारी से कहा कि मुहर्रम पर्व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न करने की अपील किये। तथा बैठक में मौजूद मुहर्रम कमेटी के सदस्यों से मुहर्रम पर्व की जानकारी लिया।

वही बैठक को संबोधित करते हुये थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने कहा कि मुहर्रम पर्व में डीजे पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा उक्त पर्व के दौरान किसी भी प्रकार के अश्लील भोजपुरी गीत नहीं बजाये जाएंगे। किसी भी प्रकार के व्हाट्सप्प के मैसेज को पुष्टि के बाद हीं फरवर्ड करेंगे। पर्व त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार के हुड़दंग को बर्दास्त नहीं किया जाएगा। मुहर्रम पर्व के जुलूस के दौरान हर जगह चौक चौराहे पर पुलिस की चौकसी बनी रहेगी।

वहीं खानपुर अंचलाधिकारी मनीष कुमार ने बैठक में उपस्थित सभी से कहा कि मुहर्रम पर्व को लेकर हर जगह दंडाधिकारी के साथ पुलिस की प्रतिनियुक्ति बनी रहेगी। मुहर्रम पर्व में किसी भी प्रकार की घटना की सूचना मिले तो तुरंत थानाध्यक्ष या मेरे मोबाइल नंबर पर इसकी सूचना अविलंब दें, ताकि ससमय रहते आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा सके।

अंत में अपर थानाध्यक्ष पुलिस चौधरी ने बैठक में उपस्थित लोगों से अपील किये की मुहर्रम पर्व को सौहार्दपूर्ण माहौल में मनावे। ताकि किसी प्रकार का शांति भंग ना हो सके। मौके पर जिला पार्षद स्वर्णिमा सिंह, एसआई पूनम कुमारी, मुखिया संघ के अध्यक्ष सरिता कुमारी, बमभोला सिंह, पिंटू सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय कुशवाहा, जदयू नेता सूरज यादव, मुखिया अरुण कुमार सिंह कुशवाहा सहित मुहर्रम पर्व के कमिटी सदस्य व मुहर्रम लाइसेंसधारी एंव सभी पंचायत के जनप्रतिनिधि व गणमान्य लोग उपस्थित थे।

खानपुर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने फरार चल रहे एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

संजना भारती संवाददाता
अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर। खानपुर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बीती रात पुलिस फोर्स के साथ गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के सेदुखा गाँव में छापामारी कर समस्तीपुर न्यायालय से निर्गत-NBW वारंट जिसका CR.N0-922/2017 में फरार चल रहे अभियुक्त (1) कमलकांत ठाकुर पिता-जयकांत ठाकुर-ग्राम-सेदुखा-थाना खानपुर जिला समस्तीपुर को छापामारी के क्रम में घर से ही गिरफ्तार कर थाना लाया गया।

वही गिरफ्तार अभियुक्त के बारे में पूछने पर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने

थानाध्यक्ष ने गिरफ्तार अभियुक्त को भेजा जेल

बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त कमलकांत ठाकुर ग्राम-सेदुखा थाना खानपुर के विरूद्व समस्तीपुर न्यायालय से निर्गत NBW वारंट में फरार चल रहा था। जिसे गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस फोर्स के सहयोग से बीती घर से ही गिरफ्तार कर थाना लाया गया। तथा गिरफ्तारी कागजात तैयार कर थाना के पुलिस पदाधिकारी व चौकीदार के साथ उचित अभिरक्षा में सरकारी वाहन से माननीय न्यायालय समस्तीपुर में उपस्थापन हेतु भेजा गया है।

हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग की सुनवाई में उपभोक्ता को मिला न्याय

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग ने रोहतक निवासी बिजली उपभोक्ता की शिकायत पर सुनवाई करते हुए संबंधित लेखाधिकारी पर एक हजार रुपये का प्रतीकात्मक जुर्माना एवं 5 हजार रुपये का मुआवजा उपभोक्ता को दिए जाने का आदेश दिया है।

आयोग के प्रवक्ता ने बताया की आयोग ने जांच मे पाया कि उपभोक्ता के मीटर परिवर्तन आदेश को सिस्टम में अपडेट करने में लगभग एक वर्ष की देरी हुई। उल्लेखनीय है कि विभाग द्वारा 11 जून 2023 को मीटर परिवर्तन आदेश अपडेट कर दिया गया था, फिर भी उपभोक्ता के बिल में त्रुटि बनी रही, जिससे उन्हें बार-बार शिकायतें दर्ज करानी पड़ीं और कार्यालय के चक्कर लगाने पड़े। बाद में मई 2024 में संड्री एडजस्टमेंट तैयार हुआ, परंतु गणना में गलती होने के कारण यह 29 नवंबर 2024 को ही स्वीकृत हो सका। यह त्रुटि अंततः आयोग के हस्तक्षेप से ही सुधरी। आयोग ने इसे अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया कि इतने सरल मामले का समाधान फर्स्ट ग्रिवेंस रीड्रेसल अथॉरिटी अथवा सेकंड ग्रिवेंस रीड्रेसल अथॉरिटी स्तर पर नहीं हो सका। यह केवल हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग द्वारा शुरू की गई ऑटो अपील प्रणाली के कारण संभव हो पाया कि एक अशिक्षित उपभोक्ता एवं उसका 10+2 पढ़ा-लिखा पुत्र, बिना किसी अतिरिक्त खर्च के घर बैठे ही अपनी शिकायत आयोग तक पहुँचा सके और उन्हें कुल 15 हजार 838 रुपये और 16 हजार 330 रुपये की धनवापसी प्राप्त हो सकी जिसमें से 16 हजार 330 रुपये की राशि आयोग के हस्तक्षेप के फलस्वरूप ही प्राप्त हुई।

आयोग ने आदेश दिया है कि संबंधित लेखाधिकारी के जून 2025 के वेतन से 6 हजार रुपये की राशि काटकर 1 हजार रुपये राज्य कोष में जमा की जाए तथा 5 हजार रुपये उपभोक्ता के बिल में समायोजित अथवा उसके बैंक खाते में स्थानांतरित की जाए। उपभोक्ता से बैंक विवरण प्राप्त कर यह भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, आयोग ने सेकंड ग्रीवेंस रीड्रेसल अथॉरिटी -कम-एक्सईएन एवं फर्स्ट ग्रिवेंस रीड्रेसल अथॉरिटी के रूप में कार्य कर रहे कनिष्ठ अभियंता को भी परामर्श दिया है कि वे उपभोक्ता शिकायतों को प्राथमिक स्तर पर ही गंभीरता से लें एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें ताकि आम नागरिकों को आयोग तक न आना पड़े।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के निधन पर व्यक्त की शोक संवेदना

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और पंजाब भाजपा प्रभारी विजय रूपाणी के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है। अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना में उनका निधन देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री अंबेडकर भवन चंडीगढ़ में आयोजित शोक सभा में बोल रहे थे। शोक सभा में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल कौशिक सहित अन्य वरिष्ठ जन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा है कि विजय रूपाणी जी का निधन हम सबके लिए गहरा आघात है। उनका संपूर्ण जीवन भारतीय संस्कृति, राष्ट्रवाद और सेवा-भाव के आदर्शों के अनुरूप समर्पित रहा। वे एक सच्चे कर्मयोगी, विचारशील राजनेता और जनमानस से जुड़ी हुई भावना के प्रतीक थे। उनके निधन से देश ने एक ऐसा जननेता खो दिया है, जिसने पूरी निष्ठा से संगठन, सत्ता और समाज, तीनों के साथ न्याय किया। उन्होंने कहा कि विजय रूपाणी जी की विचारधारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी की मूल आत्मा से जुड़ी रही। उनका राजनीतिक जीवन राष्ट्रप्रेम, पारदर्शिता, सुशासन और सेवा के चार स्तंभों पर आधारित था। वे दृढ़ राष्ट्रवादी विचारधारा के पक्षधर थे और भारतीय संस्कृति की जड़ों से गहराई से जुड़े हुए थे। विजय रूपाणी विनम्र और मेहनती थे, पार्टी की विचारधारा के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध थे। उन्होंने संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियां निभाई और गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में लगन से काम किया। उन्होंने कई ऐसे कदम उठाए, जिससे गुजरात के विकास में तेजी आई, खासकर जीवन को आसान बनाने अर्थात ईज ऑफ लिविंग में।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विजय रूपाणी राजकोट पश्चिम सीट से गुजरात विधानसभा चुनाव जीतने के बाद 7 अगस्त, 2016 से 11 सितंबर, 2021 तक दो कार्यकाल के लिए गुजरात के मुख्यमंत्री रहे। वे वर्तमान में पंजाब भाजपा के प्रभारी थे। हरियाणा में भाजपा के संगठनात्मक विस्तार के लिए उन्होंने समय-समय पर मार्गदर्शन किया। वे कई बार हरियाणा आए और कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक अनुशासन और सेवा की भावना से कार्य करने की प्रेरणा दी। उनकी स्मृतियां और विचारधारा हमें सदैव प्रेरणा देती रहेंगी। हम उनके दिखाए मार्ग पर चलकर जनसेवा और राष्ट्र निर्माण के पथ पर अग्रसर हो सकते हैं, यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

नायब सिंह सैनी ने दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भगवान से अपने श्रीचरणों में स्थान देने और उनके परिजनों को इस असीम दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

आरती सिंह राव ने स्वास्थ्य परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय बैठक की

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने चंडीगढ़ में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें राज्यभर में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विभागों की कार्यप्रणाली और चल रहे स्वास्थ्य परियोजनाओं की प्रगति का मूल्यांकन किया गया।

बैठक के दौरान, मंत्री ने अधिकारियों से स्वास्थ्य परियोजनाओं के निर्माण कार्य की गति तेज करने के निर्देश दिए और इस बात पर जोर दिया कि अस्पतालों की निर्माणाधीन इमारतों के विकास की निगरानी और समन्वय के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) से एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जाए। उन्होंने संबंधित विभागों को फामेर्सी नीति को बिना किसी देरी के अंतिम रूप देने और फार्मासिस्ट तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की भर्ती प्रक्रिया को प्रारंभ करने के निर्देश दिए ताकि स्वास्थ्य सुविधाओं में उचित स्टाफ मिल पाए।

एक महत्वपूर्ण कल्याणकारी कदम के तहत, मंत्री ने यह पुनः स्पष्ट किया कि सभी सरकारी अस्पतालों में डायलिसिस उपचार पूरी तरह से निःशुल्क कर दिया गया है, भले ही मरीज की आय कोई भी हो। उन्होंने राज्यभर में डायलिसिस सेवाओं के बारे में कहा कि यह सेवा समान रूप से पारदर्शी तरीके से बिना किसी रुकावट के रोगी को मिले, ऐसा सुनिश्चित हो।

प्रशासनिक दक्षता को बढ़ाने के लिए, स्वास्थ्य मंत्री ने परियोजना समय सीमाओं के कड़े पालन, समय पर फाइलों के निपटान और इस दिशा में होने वाली किसी भी तरह की देरी को समाप्त करने की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिये। उन्होंने पीजीआईएमएस रोहतक द्वारा आयोजित बीएससी नर्सिंग और अन्य प्रवेश परीक्षाओं के पारदर्शी और निष्पक्ष संचालन की आवश्यकता पर भी बल दिया, साथ ही अधिकारियों को किसी भी प्रकार की गलत प्रक्रिया की संभावना को खत्म करने के लिए निर्देशित किया।

आयुष मंत्री ने अधिकारियों से आयुष योजनाओं के बारे में जन-जागरूकता बढ़ाने और राज्यभर में सरकारी कर्मचारियों को आयुष रिइंबर्समेंट नीति के बारे में सूचित करने के लिए एक अभियान शुरू करने का निर्देश दिया। मातृत्व स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए, मंत्री ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) स्तर पर पहले रेफरल यूनिट (एफआरयू) स्थापित करने का प्रस्ताव रखा ताकि मातृत्व देखभाल सेवाओं को मजबूत किया जा सके और मातृ मृत्यु दर को घटाया जा सके।

हरियाणा मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचएमएससीएल) के कार्यों पर चर्चा करते हुए, उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए कड़े निर्देश दिए कि किसी भी स्वास्थ्य सुविधा, चाहे वह सीएचसी हो या जिला अस्पताल, इनमें दवाइयों की कोई कमी न हो। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई लापरवाही पाई गई तो संबंधित मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) की जवाबदेही होगी और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश में पांच हजार किलोमीटर लंबाई में सड़कों पर बिछाया जाएगा नया कारपेट: रणबीर गंगवा

■ मंत्री ने लोक निर्माण व जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभागों के विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रदेश में दिसंबर महीने तक करीब पांच हजार किलोमीटर लंबाई में सड़कों पर नया कारपेट बिछाकर उन्हें दुरुस्त किया जाएगा। सरकार का फोकस है कि सड़कों के निर्माण कार्य में गुणवत्तापूर्ण मापदंडों का पूरा ध्यान रखा जाए और प्रदेश में सड़कों का एक सशक्त एवं आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जाए, जिससे जनता को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

कैबिनेट मंत्री श्री रणबीर गंगवा सोमवार को नूंह के सर्किट हाउस में जिला के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों की बैठक में लेते हुए विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अच्छी सड़कों से न केवल यातायात व्यवस्था बेहतर होती है, बल्कि यह आर्थिक और सामाजिक विकास का भी एक अहम आधार बनती हैं। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि सभी सड़कों का निर्माण तय समय सीमा में पूर्ण हो और निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। गुणवत्तापूर्ण सड़कों से आमजन का सफर सुगम और बेहतर होगा, साथ ही ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच कनेक्टिविटी मजबूत होगी। जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अन्य सेवाओं तक लोगों की पहुंच आसान बनती है। इसलिए अधिकारी यह जरूर सुनिश्चित करें कि विकास के कामों में क्वालिटी से किसी भी प्रकार से समझौता न किया जाए।

उन्होंने बताया कि जिला नूंह में इस समय पर करीब 106 किलोमीटर लंबाई में विभिन्न सड़कों के सुधारीकरण का कार्य चल रहा है तथा करीब 525 किलोमीटर लंबाई में विभिन्न सड़कों के कामों की अप्रूव्ल मिल गई है, जिनका कार्य जल्द ही शुरू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि इस साल के अंत तक जिला नूंह की सभी सड़कों के सुधारीकरण का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने लोक निर्माण विभाग (बी एंड आर) के अधिकारियों से जिला में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी ली और सभी कामों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

रोजगार मेले में 131 युवाओं को प्रदान किए जॉब ऑफर लेटर

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। जिले के युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए सोमवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कैथल में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले के दौरान 157 युवाओं ने नौकरियों के लिए पंजीकरण करवाया, जिनमें से 131 युवाओं को पात्रता के अनुसार जॉब ऑफर लेटर प्रदान किए गए। मेले में एडीसी दीपक बाबूलाल करवा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और प्रार्थियों व नियोक्ताओं को रोजगार मेले में भागीदारी व कौशल विकास के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए हर महीने इस तरह के रोजगार मेलों का आयोजन किया जाएगा।

जिला रोजगार अधिकारी ममता कुमारी ने बताया कि रोजगार मेले में एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस द्वारा 45 युवाओं को, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस द्वारा 15, पुखराज हेल्थ केयर द्वारा 12, एलआईसी जीवन बीमा द्वारा 20, एलआर ऑटोमोबाइल द्वारा 19 तथा राजधानी ग्लाससेस द्वारा 20 युवाओं को जॉब ऑफर लेटर प्रदान किए गए। कार्यक्रम में रोजगार विभाग, राजकीय आईटीआई कैथल, श्रम विभाग कैथल, राजकीय बहू तकनीकी संस्थान चीका, एमएसएमई विभाग कैथल, उच्चतर शिक्षा विभाग व उद्योग विभाग के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

एडीसी कैथल दीपक बाबूलाल करवा।

पात्र नागरिकों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है समाधान शिविर : डीसी प्रीति

■ समाधान शिविर का फायदा उठाएं आमजन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान और प्रशासनिक सेवाओं को सुलभ बनाने के उद्देश्य से सोमवार व वीरवार को लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर का आयोजन किया जाता है। इसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा आमजन की शिकायतें सुनी जाती हैं, ताकि उनकी समस्याओं का समाधान करवाया जा सके।

सोमवार को आयोजित समाधान शिविर के बाद अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि समाधान शिविर सरकारी योजनाओं और सेवाओं को नागरिकों को सीधे तौर पर पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बन रहा है। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य यह है कि लोगों को बार-बार दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें और उनकी समस्याओं का हल एक ही स्थान पर मिले। शिविर में अधिकारियों की उपस्थिति से शिकायतों का निवारण तुरंत किया जाता है। उन्होंने सोमवार को समाधान शिविर में आई शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश जारी किए।

उपायुक्त कैथल प्रीति।

उन्होंने ने बताया कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जिला में लघु सचिवालय सहित सभी उपमंडल कार्यालयों में प्रत्येक सोमवार और वीरवार को प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि इन समाधान शिविरों में बिजली, पानी, परिवार पहचान पत्र, बुढ़ापा पेंशन एवं अन्य संबंधित शिकायतों की मौके पर सुनवाई की जा रही है तथा समस्याओं का समाधान किया जा रहा है और समस्याओं से संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि समाधान शिविर का फायदा उठाएं व अपनी समस्याओं का त्वरित समाधान पाएं।

यूनिफाइड मॉडल के तहत जिले के गांवों में बनेंगी लाइब्रेरी, पंजोखरा गांव से होगी पहली लाइब्रेरी की शुरूआत

■ डीसी उत्तम सिंह ने लोगों की समस्याओं के मौके पर किया समाधान

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों की अनुपालना में सोमवार को देर सांय करनाल के डीसी उत्तम सिंह रात्रि ठहराव के लिए इंद्री के गांव पंजोखरा में पहुंचे। यहां उन्होंने गांववासियों की समस्याओं को सुना और मौके पर निवारण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिन गांवों की ग्राम पंचायत के पास फंड है वहां लाइब्रेरी बनाने पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए पूरे जिले के लिए एक यूनिफाइड मॉडल तैयार करवाया जा रहा है। इस मॉडल के तैयार हो जाने के पश्चात पहली लाइब्रेरी पंजोखरा गांव में बनाई जाएगी। इस दौरान एसपी गंगाराम पूनिया, एडीसी सोनू भट्ट व एसडीएम अशोक मुंजाल भी मौजूद रहे।

रात्रि ठहराव के दौरान सरपंच दीपक कुमार ने डीसी उत्तम सिंह व एडीसी सोनू भट्ट का स्वागत किया। इसके उपरांत उन्होंने बारी-बारी से गांववासियों की समस्याएं सुनी। इस दौरान ग्रामीणों द्वारा विभिन्न समस्याएं रखी। इनमें से कुछ समस्याओं का निवारण मौके पर किया गया जबकि कुछ समस्याओं को संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल कार्यवाही करने के लिए दिया गया।

डीसी उत्तम सिंह ने कहा कि इस गांव के स्कूल को नियम के तहत अपग्रेड करवाने का प्रयास किया जाएगा ताकि गांव व आसपास के बच्चे इसका फायदा उठा सके। इसके साथ साथ उन्होंने कहा कि गांव को नशे से दूर रखना है। नशा मुक्त गांव होगा तो युवा आगे बढ़ेंगे। उन्होंने छात्रों को ज्यादा से ज्यादा पढ़ने और प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गांव के लोग आगे बढ़कर अपने गांव की तरक्की में सहयोग करें। रात्रि प्रवास कार्यक्रम के दौरान गांव वासियों ने जिम बनाने की मांग रखी।

इस पर डीसी उत्तम सिंह ने बीडीपीओ को जल्द से जल्द फिजिबिलिटी चेक करके कारवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रात्रि ठहराव कार्यक्रम आमजन की समस्याओं को उनके घर द्वार पर जाकर सुनने व उनके प्रभावी समाधान का सशक्त माध्यम है। इस कार्यक्रम में गांव से संबंधित जो भी समस्याएं सामने आई हैं, उनका समाधान करवाया जाएगा। जिला प्रशासन जनता की सेवा के लिए हमेशा तैयार है।

डीसी ने नशा मुक्त गांव होने पर ग्रामीणों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हमें अपनी आने वाली पीढ़ी को नशे से बचाना है। कोई भी व्यक्ति यदि नशा बेचते हुए या करते हुए पाया जाता है तो भारत सरकार द्वारा संचालित मानस पोर्टल पर शिकायत कर सकते हैं। शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाती है। रात्रि ठहराव कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों द्वारा सड़क के निर्माण, गलियों के निर्माण, प्राइमरी स्कूल, गलियों में जलभराव की समस्या रखी। इस दौरान ग्रामीणों द्वारा गांव में खेल स्टेडियम, जिम व हेल्थ सेंटर बनाने की मांग रखी।

इस मौके डीएसपी सतीश गौतम, डीडीपीओ संजय टांक, डीईओ सुदेश ठकराल, नायब तहसीलदार गौरव, बीडीपीओ गुरमलख सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता महिंद्र सिंह पंजोखरा सहित अनेक गणमान्य मौजूद रहे।

एएसआई से प्रमोशन पाकर एसआई बने रामचंद्र

■ एसपी आस्था मोदी ने स्टार लगा कर किया सम्मानित व उज्जवल भविष्य के लिए दी शुभकामनाएं

संजना भारती संवाददाता

कैथल। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि रामचंद्र सिंह को एएसआई से सब इंस्पेक्टर के पद पर प्रमोट होने पर एसपी आस्था मोदी ने स्टार लगा कर सम्मानित किया।

एसपी आस्था मोदी ने कहा कि प्रमोशन प्राप्त करने पर पुलिस कर्मचारी के कंधों पर जिम्मेदारी बढ़ जाती है। क्योंकि प्रमोशन के साथ नई जिम्मेदारी मिलती है। इसलिए इस जिम्मेदारी को ईमानदारी और निष्ठा से निभाना।

प्रमोशन पाने वाले एसआई रामचंद्र ने कहा कि विभाग की ओर से जो भी काम दिया जाएगा उसे पूरी निष्ठा से किया जाएगा। एसआई रामचंद्र थाना गुहला में बतौर अनुसंधानकर्ता कार्यरत है।

एसआई रामचंद्र को स्टार लगाते हुए एसपी आस्था मोदी। (छाया: एसबी)

नगर निगम ने जल आपूर्ति व सीवरेज के 1 लाख रुपये से ऊपर के 81 बकायादारों को नोटिस किए जारी: डॉ. वैशाली शर्मा

■ अवैध कनेक्शन के दो हजार से अधिक नोटिस सौंपे, एक सप्ताह में करवाएं वैध-निगमायुक्त

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। जल आपूर्ति व सीवरेज कनेक्शन की बिल राशि न चुकाने वाले उपभोक्तओं पर नगर निगम ने सख्ती शुरू कर दी है। इसे लेकर एक लाख रुपये से ऊपर के 81 बकायादार उपभोक्ताओं को नोटिस जारी कर एक सप्ताह में बकाया राशि जमा करवाने के लिए कहा गया है। इन पर कुल 1 करोड़ 37 लाख 61 हजार 760 रुपये बकाया है। यह जानकारी सोमवार को नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने दी।

उन्होंने बताया कि उपरोक्त बकायादार उपभोक्तओं को लगातार बिल जारी किए जाते रहे हैं, परंतु उन द्वारा भुगतान नहीं किया गया है। इसे देखते अब नोटिस जारी किए जा रहे हैं, ताकि इनसे वसूली की जा सके। इनमें वाणिज्यिक, औद्योगिक, संस्थान व रिहायशी उपभोक्ता शामिल हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अगर यह उपभोक्ता बकाया बिल का भुगतान नहीं करेंगे, तो उनका जल आपूर्ति व सीवरेज, दोनो कनेक्शन काट दिए जाएंगे।

दूसरी ओर उन्होंने बताया कि 50 हजार रुपये से ऊपर के बकायादार उपभोक्ताओं के नोटिस भी तैयार किए जा रहे हैं, जल्द ही टीम द्वारा यह वितरित कर दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जनवरी 2024 से दिसंबर 2024 तक के करीब 4 करोड़ 10 लाख रुपये के बिल जारी किए गए हैं। इनमें से करीब 2 करोड़ रुपये की वसूली की जा चुकी हैं। उन्होंने उम्मीद जताते कहा कि नगर निगम इस लक्ष्य को प्राप्त कर लेगा।

कैसे करें भुगतान–उन्होंने बताया कि बिल राशि की अदायगी करने के लिए शहरवासी नगर निगम के नागरिक सुविधा केन्द्र (सी.एफ.सी.) में कैश पेमेंट कर सकते हैं। उपभोक्ता बिल पर छपे बार कोड को स्कैन करके भी भुगतान कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त नागरिक, (ऑनलाईन डॉट यूएलबी हरियाणा डॉट जीओवी डॉट इन) पोर्टल पर डेबिट या क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऑनलाईन भुगतान कर सकते हैं। यह प्रक्रिया बहुत ही सरल है।

अवैध कनेक्शन लेने वालों पर भी कसा शिकंजा–उन्होंने बताया कि नगर निगम ने जल आपूर्ति व सीवरेज के अवैध कनेक्शन लेने वाले नागरिकों के खिलाफ भी शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इसे लेकर दो हजार से अधिक नोटिस जारी किए जा चुके हैं। शेष नोटिस जारी किए जा रहे हैं।

निगमायुक्त ने ऐसे लोगों को चेताते हुए कहा कि वह एक सप्ताह के अंदर-अंदर अपने कनेक्शन को वैध करवा लें, अन्यथा टीम द्वारा अवैध कनेक्शन को काट दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि नागरिक सोमवार से शुक्रवार, प्रातः 9 बजे से बाद दोहपर 3 बजे तक नगर निगम कार्यालय में निर्धारित फीस व दस्तावेज जमा करवाकर अपने कनेक्शन को वैध करवा सकते हैं। इसके अतिरिक्त जिन नागरिकों ने कनेक्शन लिए हुए हैं, परंतु अभी तक मीटर नहीं लगवाए, वह भी अपने मीटर अवश्य लगवा लें, ताकि उनका बिल मीटर रीडिंग के अनुसार भेजा जा सके।

कनेक्शन के लिए यह देने होंगे दस्तावेज–उन्होंने बताया कि जलापूर्ति एवं सीवरेज कनेक्शन लेने के लिए नागरिकों को एक आवेदन लिखना होगा। आवेदन के साथ सम्पत्ति की रजिस्ट्री, मालिक का आधार कार्ड, फोटो, पडोसी का जलापूर्ति व सीवरेज बिल, सम्पत्ति कर बिल तथा परिवार पहचान पत्र की फोटोप्रति संलग्न करके नगर निगम करनाल कार्यालय में फाईल जमा करवानी होगी। इसके साथ एक शपथ पत्र भी देना होगा।

आगामी 13 जुलाई को आयोजित होने वाली कैथल हाफ मैराथन के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू

■ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मैराथन को दिखाएंगे हरी झंडी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। एसडीएम अजय सिंह ने बताया कि आगामी 13 जुलाई को सुबह के समय कैथल हाफ मैराथन 2025 का आयोजन होगा। इसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे और मैराथन को हरी झंडी देकर रवाना करेंगे। हाफ मैराथन में भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू हो गई है। कोई भी आमजन www.kaithalhalfmarathon.com वेबसाइट पर जाकर तथा स्कैनर के माध्यम से अपना पंजीकरण करवाया सकता है। इन प्रतियोगिताओं में लगभग 12 लाख रुपये की कुल नकद राशि के पुरस्कार दिए जाएंगे।

उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि हॉफ मैराथन तीन कैटेगरी में आयोजित होगी। इसमें 21 किलोमीटर व 10 किलोमीटर की प्रोफेशनल तथा पांच किलोमीटर फन रेस शामिल है। कैथल हॉफ मैराथन 2025 में भाग लेने वाले प्रतिभागी (महिला या पुरुष अलग-अलग कैटेगरी में) यदि 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन में प्रथम स्थान प्राप्त करते हैं तो उन्हें एक लाख 50 हजार रुपये, द्वितीय स्थान पर रहने वाले प्रतिभागी को एक लाख 25 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान पर एक लाख रुपये का नकद इनाम से पुरस्कृत किया जाएगा। वहीं 10 किलोमीटर मैराथन में प्रथम विजेता को एक लाख रुपये, द्वितीय को 75 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान पर रहने वाले प्रतिभागी को 50 हजार रुपये की नकद इनाम दिया जाएगा। वहीं पांच किलोमीटर की दौड़ फन मैराथन होगी। इसमें कोई भी व्यक्ति निशुल्क भाग ले सकता है। उन्होंने बताया कि 21 किलोमीटर की मैराथन में भाग लेने के लिए 1000 रुपये रजिस्ट्रेशन फीस तथा 10 किलोमीटर मैराथन में भाग लेने के लिए 500 रुपये रजिस्ट्रेशन फीस निर्धारित की गई है। पांच किलोमीटर मैराथन की रजिस्ट्रेशन के लिए कोई फीस नहीं है। इसके लिए निशुल्क आवेदन किया जा सकता है। मैराथन का रूट जल्द ही तय कर लिया जाएगा।

एसडीएम कैथल अजय सिंह।

एसडीएम अजय सिंह ने बताया कि इस मैराथन का उद्देश्य माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के हरियाणा को नशा मुक्त बनाने के सपने को साकार करना है तथा इस संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। इसमें प्रोफेशनल रन में सभी प्रतिभागियों को एक किट उपलब्ध करवाई जाएगी तथा चेस्ट पर चिप लगाई जाएगी, ताकि मैराथन का परिणाम पारदर्शी व निष्पक्ष हो। हरियाणा सरकार द्वारा इससे पहले कई जिलों में इस प्रकार की मैराथन आयोजित करके लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक किया जा चुका है।